मानसून सत्र के दौरान कुछ दिन पहले कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी संसद परिसर में बेहद गुस्से में दिखी थीं। गुरुवार को राहुल गांधी भी कुछ उसी तेवर में दिखाई दिए।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 233 दिनांक: 05-08-2022 शुक्रवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

पेलोसी एक दिन की यात्रा के बाद बुधवार को ताइवान से रवाना हुईं। उसके कुछ घंटे बाद ही गुरुवार तड़के चीन ने ताइवान स्ट्रेट में अब तक अपना सबसे बड़ा सैन्य अभ्यास शुरू कर दिया। ताइवान के दक्षिण और पूरब के जल क्षेत्र में यह सैन्य अभ्यास चल रहा है।

कांग्रेस नेता खड़गे पहुंचे ईडी अधिकारियों के पास, यंग इंडियन के ऑफिस में ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस की फजीहत खत्म नहीं हो रही है। इसी कड़ी में गुरुवार को कांग्रेस पार्टी के सीनियर नेता मल्लिकार्जुन खड़गे हेराल्ड हाउस में ही ईडी अधिकारियों के सामने खुद को पेश किया। इसके साथ ही कांग्रेस के स्वामित्व वाले अखबार नेशनल हेराल्ड की होल्डिंग कंपनी यंग इंडियन (वाईआई) के ऑफिस में ईडी ने गुरुवार को फिर से छापेमारी शुरू कर दी है।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता खड़गे दोपहर करीब 12.40 बजे हेराल्ड भवन पहुंचे और ईडी के अधिकारियों से मिले। कंपनी प्रमुख अधिकारी होने के नाते ईडी ने यंग इंडियन के ऑफिस पर छापेमारी के दौरान उनकी उपस्थिति की मांग की थी। बता दें कि यंग इंडियन के शेयरधारकों में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का नाम भी शामिल है। कांग्रेस अध्यक्ष के पास कंपनी की 38 फीसदी हिस्सेदारी है।

इसके पहले ईडी ने चार मंजिला हेराल्ड हाउस के एक हिस्से को सील कर दिया था। ईडी ने सील करने के पीछे सबूत को संरक्षित करने की बात कही थी। ईडी का कहना था कि हिस्से में ताला लगे होने की वजह से वह उसकी तलाशी नहीं ले पाया था, साथ में तलाशी के दौरान कोई अधितृक प्रतिनिधि भी उपलब्ध नहीं था। ईडी के अधिकारियों का कहना है कि यंग इंडिया ऑफिस की तलाशी अब रोक दी जाएगी और जो भी संभावित सबूत उपलब्ध होगा, उन्हें इकट्ठा किया जाएगा।

बता दें कि नेशनल हेराल्ड अखबार और वेब पोर्टल का कार्यालय हेराल्ड हाउस भवन की चौथी मंजिल पर स्थित है, जहां संपादकीय विभाग के और प्रशासनिक विभाग के कर्मचारी काम करते हैं। नेशनल हेराल्ड अखबार एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) द्वारा प्रकाशित होता हैं, इसकी होल्डिंग कंपनी यंग इंडियन है। अखबार का कार्यालय एजेएल के नाम से पंजीकृत है। ईडी ने नेशनल हेराल्ड-एजेएल-यंग इंडियन सौदे में चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत हेराल्ड हाउस सहित एक दर्जन स्थानों पर छापेमारी की थी। एजेंसी के अधिकारी कुछ दस्तावेज, डिजिटल डेटा इकट्ठा करने और कुछ कर्मचारियों से पूछताछ करने के बाद परिसर से निकल गए थे। ईडी के समझ पेश होने से पहले खड़गे ने राज्यसभा में सवाल पूछते हुए कहा कि क्या चल रहे संसद सत्र के बीच में मुझे तलब करना उचित है। इसके बाद खड़के नेशनल हेराल्ड भवन के लिए रवाना हुए।

सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को कहा शिंदे गुट को लेकर कोई फैसला नहीं ले

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को अभी एकनाथ शिंदे गुट की उस याचिका पर कोई फैसला नहीं लेने का गुरुवार को को निर्देश दिया, जिसमें कहा गया है कि शिंदे गुट को ही असली शिवसेना माना जाए और पार्टी का चुनावी चिह्न दिया जाए। प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण, न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने कहा कि वह महाराष्ट्र के हाल के राजनीतिक संकट से संबंधित मामलों को संविधान पीठ के पास भेजने पर सोमवार तक फैसला करेगी। पीठ ने कहा, हम इस पर फैसला लेने वाले हैं कि मामले को पांच सदस्यीय संविधान पीठ के पास भेजा जाए या नहीं। उच्चतम न्यायालय महाराष्ट्र में हाल के राजनीतिक संकट के दौरान शिवसेना और उसके बागी विधायकों द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। इस संकट से राजनीतिक दलों में विभाजन, विलय, दल बदल और अयोग्य करार देने सहित संवैधानिक मुद्दे पैदा हुए हैं।

राज्यसभा में हंगामे के बीच कुटुम्ब न्यायालय (संशोधन) विधेयक ध्वनिमत से पारित

नई दिल्ली (ईएमएस)। कुटुम्ब न्यायालय (संशोधन) विधेयक को गुरुवार को संसद की मंजूरी मिल गई। विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच राज्यसभा ने विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा में यह विधेयक पहले ही पारित हो चुका है। विधेयक पर चर्चा का जवाब देकर विधि एवं न्याय मंत्री किरेन रीजीजू ने हर राज्य में और हर जिले में परिवार अदालतों की स्थापना को समय की मांग बताया और कहा कि वर्तमान में इन अदालतों में 11 लाख से अधिक मामले लंबित हैं, जिनका समय पर निस्तारण जरूरी है। उन्होंने कहा कि कुटुंब न्यायालय प्रत्येक जिले में खुले इसके लिए वह राज्य सरकारों से बात करने वाले हैं। कुटुम्ब न्यायालय (संशोधन) विधेयक, 2022 पर हुई चर्चा का जवाब देकर विधि एवं न्याय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाएं तब ही सार्थक होंगी जब परिवार सुखी होगा और उस उन योजनाओं का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह विधेयक लंबित मामलों के समाधान में मददगार होगा।

रीजीजू ने कहा कि बहुत जल्दी वे कुटुम्ब अदालतों के विषय की समीक्षा करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि 30 जुलाई को जिला न्यायाधीशों का सम्मेलन बुलाया गया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के प्रधान न्यायाधीश शामिल हुए। उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन में परिवार अदालतों से जुड़े विषय रखे गए। ''मैने कहा कि परिवार अदालतों को प्राथमिकता दी जाए। कानूनी प्रक्रिया लंबी चलने पर बच्चे परेशान होते है। ''

रेल और एयरलाइन टिकट रद करने पर लगेगा GST, बिजली पानी के बिल देर से भरना पड़ेगा महंगा

नई दिल्ली। चेक बाउंस पर लगने वाले जुर्माने पर जीएसटी नहीं लगेगा, लेकिन होटल व टूर आपरेटर्स से कराई गई बुकिंग और हवाई टिकट को रद करने पर शुल्क का भुगतान करना होगा। बुकिंग के दौरान जीएसटी की जो दर मान्य होगी, उसी दर से रद शुल्क पर जीएसटी लगेगा। पानी, बिजली जैसी सेवाओं के भुगतान में देर करने पर लगने वाले शुल्क पर भी जीएसटी देना होगा। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (ण्ँघ्ण) ने कई ऐसे मामलों में स्पष्टीकरण जारी किया है, जिसे लेकर लोगों के मन में आशंकाएं थीं या जिन्हें लेकर विवाद खड़ा हो रहा था।

सीबीआइसी ने स्पष्ट किया है कि आइसक्रीम पार्लर पर छह अक्टूबर, 2021 से 18 प्रतिशत जीएसटी मान्य है। सीबीआइसी ने कहा है कि जिन पार्लर ने पांच प्रतिशत की दर से आइसक्रीम पर जीएसटी लिया है और उन्होंने इनपुट टैक्स क्रेडिट नहीं लिया है, उनसे ना तो किसी तरह की वसूली की जाएगी और ना ही उनके पुराने मामले को लेकर कोई जुर्माना लगाया जाएगा।

आइसक्रीम पार्लर में जीएसटी को लेकर काफी असमंजस वाली स्थिति थी क्योंकि रेस्तरां में खाने पर पांच प्रतिशत जीएसटी लगता है। लेकिन आइसक्रीम पार्लर को रेस्तरां इसलिए नहीं माना गया है, क्योंकि यहां किसी प्रकार का खाद्य पदार्थ पकाया या तैयार नहीं किया जाता है। आइसक्रीम पार्लर की जीएसटी दर को लेकर काफी विवाद पैदा हो गया था और कई पार्लर को विभाग की तरफ से नोटिस भी जारी किए गए थे। वहीं, किसी प्रकार के सरकारी नियम जैसे कि ट्रैफिक नियम के उल्लंघन पर वसूली जाने वाली रकम पर कोई जीएसटी नहीं लगेगा।

वहीं, पिछले दिनों वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि जीएसटी परिषद ने गरीबों द्वारा उपभोग की जाने वाली आवश्यक वस्तुओं पर कोई नया शुल्क नहीं लगाया है, हालांकि इस तरह के उत्पादों पर पूर्व में लगभग सभी राज्यों द्वारा किसी न किसी रूप में कर लगाया जाता था। सीतारमण ने यह भी स्पष्ट किया कि श्मशान घाटों पर कोई जीएसटी नहीं है, लेकिन कर केवल नए श्मशान के निर्माण पर है। साथ ही, अस्पताल के बिस्तर या आईसीयू पर कोई जीएसटी नहीं है, बल्कि अस्पताल में केवल 5,000 रुपये प्रति दिन का किराया है।

चीन का जहाज, श्रीलंका के बंदरगाह की ओर बढ़ रहा है, भारत और चीन के बीच तनाव बढ़ने की आशंका

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत और चीन के बीच तनाव बढ़ने की आशंका है। चीन के एक रिसर्च और सर्वे जहाज के 11 अगस्त को दक्षिणी श्रीलंका में चीन द्वारा संचालित हंबनटोटा बंदरगाह पर पहुंचने की संभावना है। इसके रुकने का समय 11 से 17 अगस्त है।

शिप में 400 लोगों का क्रू है। साथ ही इस पर एक बड़ा सा पाराबोलिक एंटिना लगा हुआ है और कई तरह के सेंसर मौजूद हैं। इस घटनाक्रम को लेकर संयत प्रतिक्रिया देते हुए भारत ने कहा है कि वह स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

श्रीलंका के रक्षा मंत्रालय की प्रवक्ता कर्नल नलिन हेराथ ने कहा कि श्रीलंका, भारत की चिंता को भलीभांति समझता है क्योंकि यह जहाज सैन्य प्रतिष्ठानों पर निगरानी रखने में सक्षम है लेकिन यह एक रूटीन एक्सरसाइज है। उन्होंने कहा, ठभारत, चीन, रूस, जापान और मलेशिया के नेवल शिप्स (नौसेना जहाजों) ने समय-समय पर हमसे अनुरोध किया है इसलिए हमने चीन को इजाजत दी है। श्रीलंका ने कहा कि जब परमाणु सक्षम जहाज आ रहा हो, केवल तभी हम इजाजत से इनकार कर सकते हैं। यह परमाणु शक्ति से सक्षम शिप नहीं हैठउन्होंने कहा कि चीन ने श्रीलंका को सूचित किया कि वे हिंद महासागर में जहाज को निगरानी और नेविगेशन (नौपरिवहन) के लिए भेज रहे हैं। चीन के जहाज युआन वांग 5 ने ईंधन भराई के लिए श्रीलंका से इजाजत देने का आग्रह किया था। कर्नल हेराथ ने कहा, ठचीन ने हमें बताया है कि वे हिंद महासागर क्षेत्र में निगरानी और नेविगेशन के लिए अपने जहाज को भेज रहे हैं, इसके रुकने का समय 11 से 17 अगस्त है।

श्रीलंका के रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि चीनी जहाज, बेहद सक्षम और उन्नत नौसैनिक पोत है। सूत्र बताते हैं कि भारत इस बात से चिंतित है क्योंकि यह परमाणु ऊर्जा संयंत्रों और सैन्य ठिकानों की निगरानी रखने में सक्षम है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा, मैं पीएम मोदी से नहीं डरता हूं

भाजपा का आरोप, कांग्रेस डर क्यों रही

नई दिल्ली (ईएमएस)। मानसून सत्र के दौरान कुछ दिन पहले कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी संसद परिसर में बेहद गुस्से में दिखी थीं। गुरुवार को राहुल गांधी भी कुछ उसी तेवर में दिखाई दिए। संसद के गलियारे में राहुल ने सवालों का जवाब भी ठीक वैसे ही दिया जैसे कुछ दिन पहले सोनिया गांधी ने दिया था। सालों बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी इतने सख्त और तमतमाए दिखाई दिए। तल्ख तेवर के साथ राहुल ने केंद्र की मोदी सरकार पर हमला किया। कर्नाटक दौरा बीच में छोड़कर दिल्ली पहुंचे राहुल गुरुवार को संसद भवन में पहुंचे। संसद के गलियारे में तेज कदमों से चल रहे राहुल का रौद्र रूप दिख रहा था। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी से मैं बिल्कुल नहीं डरता। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि सच्चाई को नहीं दबाया जा सकता है। उन्होंने पीएम मोदी से लेकर अमित शाह पर हमला किया।

मुंह पर मास्क लगाए गुस्से में दिख रहे राहुल गांधी से पूछा गया कि कांग्रेस के 5 अगस्त को महंगाई, बेरोजगारी और आवश्यक सामानों पर जीएसटी बढ़ाने के खिलाफ प्रदर्शन को लेकर प्रशासन की सख्ती बरत रहा है। राहुल ने कहा, बढ़िया और करिए, सच्चाई को बैरिकेड नहीं किया जा सकता है।

गौरतलब है कि पुलिस ने कांग्रेस के प्रदर्शन से पहले कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी के आवास के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी है। राहुल से पूछा गया कि कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल के पास प्रदर्शन नहीं करने को लेकर नोटिस दिया है, इसपर राहुल ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध करना हमारा अधिकार है। उन्होंने कहा कि देखते हैं क्या करना है। परमिशन नहीं दे रही है पुलिस ठीक है, रोकिए।

इस बीच भाजपा के आरोपों का जवाब देकर उन्होंने कहा कि भागने की कौन बात कर रहा है। भागने की बात वहां कर रहे हैं। हम नरेंद्र मोदी से नहीं डरते हैं। कर लें जो करना है, कुछ फर्क नहीं पड़ता है। जो मेरा काम है, देश की रक्षा करना, लोकतंत्र की रक्षा करना, सद्भाव को बनाकर रखना, मैं इन तमाम कामों को करता रहूंगा। चाहे ये लोग कुछ भी कर लें।

दरअसल भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा था कि कांग्रेस डर क्यों रही है। कांग्रेस पहले सत्याग्रह की बात कर रही थी और अब सत्याग्रह की जगह रण की बात कर रही है। उन्होंने कहा था कि न रण होगा और न ही 'रन ' होगा। देश का संविधान और कानून सभी के लिए बराबर है। उन्होंने कहा था कि देश के कानून के साथ युद्ध संभव नहीं है। कानून किसी को नहीं छोड़ता है। इसी के साथ उन्होंने कहा था कि संबित पात्रा ने कहा कि भ्रष्टाचार और रण दोनों नहीं हो सकता है। भ्रष्टाचार हुआ है तो पकड़े जाएंगे। भ्रष्टाचार हुआ है तो कानून के सामने पेश होना पड़ेगा।

ईडी ने बेंगलुरु की कंपनी की 40 करोड़ की संपत्ति कुर्क करने का आदेश दिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बेंगलुरु की कंपनी के खिलाफ कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़ी धन शोधन जांच के सिलसिले में 40 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क करने का आदेश दिया है केंद्रीय एजेंसी ने कहा कि धनशोधन रोधक अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कावेरी टेलीकॉम इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के आवासीय अपार्टमेंट, प्लॉट, कृषि भूमि और बैंक जमा को कुर्क करने का एक शुरुआती आदेश जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि कुर्क की गई संपत्तियों का कुल मूल्य 40.14 करोड़ रुपये है।

यह धन शोधन का मामला जुलाई, 2015 में बेंगलुरु में सीबीआई की भ्रष्टाचार रोधक शाखा द्वारा कंपनी और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी के बाद सामने आया है। ईडी ने कहा कि सीबीआई की प्राथमिकी देना बैंक के तत्कालीन उप-महाप्रबंधक (डीजीएम) द्वारा दायर एक शिकायत के आधार पर दर्ज की गई थी, जिसमें कंपनी और उसके निदेशकों द्वारा लिए गए ऋण के संबंध में बैंक के साथ धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था।

कंपनी और उसके निदेशकों ने उपकरण खरीदने के नाम पर तत्कालीन देना बैंक से 45 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। हालांकि, इसने कर्ज को अपनी सहयोगी और नियंत्रण वाली इकाइयों के जरिये इधर-उधर किया था।

मुंबई पुलिस ने दवा बनाने वाली कंपनी पर मारा छापा, 1400 करोड़ की ड्रग्स जब्त

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई पुलिस ने पालघर के नालासोपारा में दवा बनाने वाली कंपनी पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान 1400 करोड़ रुपये की 700 किलोग्राम से ज्यादा मेफेड्रोन (ड्रग्स) जब्त किया गया। पुलिस ने छापे के दौरान 5 लोगों को भी गिरफ्तार किया हैं। मुंबई क्राइम ब्रांच के एंटी नारकोटिक्स सेल ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर ये कार्रवाई की गई है। उन्हें जानकारी मिली थी कि कंपनी में मेफेड्रोन नाम की प्रतिबंधित दवा का निर्माण हो रहा है। अधिकारी ने बताया कि चार आरोपियों को मुंबई में गिरफ्तार किया गया है। जबकि एक व्यक्ति को पालघर के नालासोपारा से अरेस्ट किया गया। क्राइम ब्रांच का दावा है कि पिछले कुछ दिनों में नशीली दवाओं के खिलाफ की गई कार्रवाई में ये सबसे बड़ा एक्शन है। मेफेड्रोन को 'म्याऊ म्याऊ' या एमडी के रूप में भी जाना जाता है। यह एक सिंथेटिक ड्रग है। यह नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत प्रतिबंधित पदार्थ है।

बता दें कि इस तरह की कार्रवाई डीआरआई की टीम ने गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पर 20 सितंबर 2021 को किया था। यहां से 9000 करोड़ रुपये की ड्रग्स बरामद की गई थी। एजेंसी के अधिकारियों ने वहां से 2,988.22 किलोग्राम हेरोइन जब्त की थी। ड्रग्स की खेप का कनेक्शवन आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा से था। दरअसल, पकड़ी गई नशे की खेप विजयवाड़ा की आशी ट्रेडिंग कंपनी के आयात किए गए पैकेज के अंदर छिपी हुई थी। कंपनी अफगानिस्तान से टैल्क पत्थरों को आयात करने का दावा करती है और उन्हें ईरान के अब्बास पोर्ट से गुजरात की मुंद्रा पोर्ट भेजती है। विजयवाड़ा की कंपनी पर आरोप है कि वह कंधार में हसन हुसैन लिमिटेड से आयातित 'टैल्कम पाउडर' के नाम पर हेरोइन की तस्करी कर रही थी। इस रंगे हाथों पकड़ लिया गया।

जस्टिस यू यू ललित देश के अगले मुख्य न्यायाधीश होंगे, सीजेआई ने केंद्र को भेजी नाम की सिफारिश

नई दिल्ली (ईएमएस)। जस्टिस यू यू ललित देश के अगले मुख्य न्यायाधीश बनने वाले हैं। मौजूदा सीजेआई जस्टिस रमना ने केंद्र की मोदी सरकार को जस्टिस ललित के नाम की सिफारिश भेजी है। परपंरा के मुताबिक रिटायर होने वाले सीजेआई नए सीजेआई के नाम की सिफारिश करते हैं। 26 अगस्त को सीजेआई रमना रिटायर होने वाले हैं। बता दें कि जस्टिस यूयू ललित मुसलमानों में 'तीन तलाक' की प्रथा को अवैध ठहराने सहित कई ऐतिहासिक फैसलों का हिस्सा रहे हैं। वह इसतरह के दूसरे प्रधान न्यायाधीश बनने वाले हैं, जिन्हें बार से सीधे शीर्ष अदालत की पीठ में पदोन्नत किया गया। ललित से पहले जस्टिस एस.एम. सीकरी मार्च 1964 में शीर्ष अदालत की पीठ में सीधे पदोन्नत होने वाले पहले वकील थे। वह जनवरी 1971 में 13वें सीजेआई बने थे।

जस्टिस ललित मौजूदा प्रधान न्यायाधीश रमण के सेवानिवृत्त होने के एक दिन बाद 27 अगस्त को भारत के 49वें सीजेआई बनने के लिए कतार में हैं। जस्टिस ललित को 13 अगस्त 2014 को सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। तब वह जाने-माने वकील थे. जस्टिस ललित तब से शीर्ष अदालत के कई ऐतिहासिक निर्णयों का हिस्सा रहे हैं। पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने अगस्त 2017 में 3-2 के बहुमत से 'तीन तलाक' को असंवैधानिक घोषित कर दिया था। उन तीन न्यायाधीशों में जस्टिस ललित भी थे। जस्टिस यूयू ललित की अध्यक्षता वाली पीठ ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) कानून के तहत एक मामले में बंबई उच्च न्यायालय के ''त्वचा से त्वचा के संपर्क'' संबंधी विवादित फैसले को खारिज कर दिया था।सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यौन हमले का सबसे महत्वपूर्ण घटक यौन मंशा है, बच्चों की त्वचा से त्वचा का संपर्क नहीं। एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले में जस्टिस ललित की अगुवाई वाली पीठ ने कहा था कि त्रावणकोर के पूर्व शाही परिवार के पास केरल में ऐतिहासिक श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर के प्रबंधन का अधिकार है।

नौ नवंबर, 1957 को जन्मे जस्टिस ललित ने जून 1983 में एक वकील के रूप में पंजीकरण कराया था और दिसंबर 1985 तक बम्बई उच्च न्यायालय में वकालत की थी। वह जनवरी 1986 में दिल्ली आकर वकालत करने लगे और अप्रैल 2004 में उन्हें शीर्ष अदालत द्वारा एक वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित किया गया। 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन मामले में सुनवाई के लिए उन्हें केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का विशेष लोक अभियोजक नियुक्त किया गया था। जस्टिस ललित आठ नवंबर, 2022 को सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

शिवसेना के बाद अब कांग्रेस में भी टूट के आसार, कई नेताओं ने की देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात

मुंबई, (ईएमएस)। महाराष्ट्र में शिवसेना के बाद अब कांग्रेस में भी सब कुछ ठीक नहीं होने की जानकारियां सामने आने लगी हैं. कयास लगाए जा रहे हैं कि शिवसेना की तरह जल्द ही कांग्रेस में भी बड़ी टूट हो सकती है. इन कयासों के पीछे वजहें भी हैं. दरअसल कांग्रेस के कई नेताओं ने पिछले दिनों महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की थी. महाराष्ट्र के बड़े नेताओं में शामिल और पिछली सरकार के मंत्री असलम शेख ने बीजेपी नेता मोहित कंबोज के साथ पिछले सप्ताह देवेंद्र फडणवीस से उनके बंगले पर देर रात मुलाकात की थी. मोहित कंबोज वहीं नेता हैं, जो शिंदे गुट की बगावत के बाद सूरत से लेकर उनके मुंबई वापस लौटने तक साथ में थे. अंदरखाने ये भी खबर थी कि शिंदे गुट के तमाम बागी विधायकों को संभालने की जिम्मेदारी कंबोज को ही दी गई थी. कंबोज फडणवीस के काफी करीबी माने जाते हैं. उधर असलम शेख के फडणवीस से मुलाकात करने के बाद ये चर्चा है कि वो बहुत जल्द बीजेपी में शामिल हो सकते हैं. असलम शेख के 2019 के विधानसभा चुनाव के दौरान भी बीजेपी में शामिल होने की जबरदस्त चर्चा थी, लेकिन बीजेपी से शिवसेना के अलग होने के बाद और एमवीए बनने के बाद असलम ने अपना रुख बदल लिया था. वहीं दूसरी बड़ी वजह पिछले सप्ताह ही कांग्रेस नेता मिलिंद देवड़ा, विधायक अमीन पटेल और जीशान सिद्दीकी ने भी देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की थी. इस मुलाकात के बाद इन तीनों के भी बीजेपी में शामिल होने की चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है. हालांकि देवड़ा ने मुलाकात के पीछे की वजह बीएमसी वार्ड संरचना में बदलाव करने की मांग का मुद्दा बताया था. दरअसल मिलिंद देवड़ा कांग्रेस में भले ही हैं, लेकिन पिछले कई सालों से वो तटस्थ भूमिका में रहे हैं. साथ ही पार्टी के कई फैसलों का विरोध भी करते रहे हैं. महाराष्ट्र कांग्रेस में हर बड़े नेता की एक अपनी लॉबी और गुट है. जो बड़े पद पर रहता है, चलती उसी की है और बाकी गुट साइडलाइन रहता है. उधर शिंदे-बीजेपी सरकार के फ्लोर टेस्ट के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण के न पहुंचने के चलते पार्टी आलाकमान उनसे काफी नाराज चल रहा है. अशोक चव्हाण के भी महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व से काफी नाराज होने की खबरें हैं. ऐसे में अशोक चव्हाण के भी बीजेपी में शामिल होने की अटकलें लगातार लगाई जा रही हैं.

कार्टून कोना

जम्मू-कश्मीर के डोडा और किश्तवाड़ में आतंकी हमले की आशंका, अलर्ट जारी

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर में स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर चौकसी बढ़ा दी गई है। पुलिस ने सभी जिलों के एसएसपी को सतर्क रहने व नाकों पर चौकसी बढ़ाने का आदेश जारी किया है। सूत्रों के अनुसार रामबन, किश्तवाड़ और डोडा जिले में आतंकी हमले की ज्यादा आशंका है। यही कारण है कि बुधवार से किश्तवाड़ में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन जारी है। वहीं गुरुवार को जम्मू-कश्मीर पुलिस के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मुकेश सिंह किश्तवाड़ पहुंचे हुए हैं। जिले के सभी पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की जा रही है। हिमाचल प्रदेश और कश्मीर से सटे किश्तवाड़ जिले के इलाकों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुरक्षा एजेंसियों के इनपुट पर सुरक्षाबलों ने बुधवार को शहर में तलाशी अभियान चलाया। बस स्टैंड और साथ सटे क्षेत्रों को भी खंगाला गया। हर आने-जाने वाले की तलाशी के साथ ही वहां खड़े वाहनों की जांच की। वहीं बुधवार देर रात को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर के अलोचीबाग इलाके में आतंकवादियों ने पुलिस की गाड़ी पर निशाना बनाते हुए फायरिंग कर दी और फिर फरार हो गए। राहत की बात यह थी कि किसी भी पुलिसकर्मी को चोट नहीं आई।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक आतंकवादियों ने अंधेरे का फायदा उठाया और भागने में कामयाब रहे। कश्मीर संभाग की पुलिस ने ट्वीट कर बताया, 'श्रीनगर के अलोचीबाग इलाके में आतंकवादियों ने एक गाड़ी में सवार पुलिस पार्टी पर फायरिंग की। पुलिस दल ने आतंकवादियों के हमले का माकूल जवाब दिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई को देखते हुए आतंकवादी मौके से भाग गए।'

क्या तिरंगा लगाने से देशभक्ति साबित होती है - असदुद्दीन ओवैसी

नई दिल्ली (ईएमएस)। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने पूछा है कि क्या तिरंगा लगाने से देशभक्ति साबित होती है। इस पूरे मामले पर असदुद्दीन ओवैसी ने पीएम मोदी और आरएसएस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जुलाई 1947 में संघ के मुख पत्र ऑर्गेनाइजर मैगजीन ने एक आर्टिकल में कहा था कि हम डिमांड करते हैं कि तिरंगा हमारा नेशनल फ्लैग न हो बल्कि भगवा फ्लैग हो। साथ ही उन्होंने कहा कि ऑर्गेनाइजर ने ही अगस्त 1947 में अपने इश्यू में कहा कि तिरंगे के तीन रंग अशुभ हैं और इससे साइकोलॉजिकल असर पड़ता है। हम पीएम मोदी और आरएसएस से पूछता चाहते हैं कि क्या इससे सहमत हैं?

उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि तिरंगे को लेकर भाजपा वाले कह रहे हैं कि जो नहीं लहराएगा उसकी वफादारी पर शक होगा। हम यह पूछना चाह रहे कि ऑर्गेनाइजर मैगजीन के उस आर्टिकल को लेकर बीजेपी और आरएसएस वाले क्या बोलेंगे। देश से मोहब्बत क्या डीपी लगाने से होती है। 15 अगस्त के बाद झंडा निकल जाएगा तो क्या मोहब्बत चली जाएगी। पैदाइशी मोहब्बत होनी चाहिए।

ओवैसी ने कहा कि 1930 में तिरंगे का जब आकार बना था, जब स्वतंत्रता सेनानियों ने तिरंगे को बनाया था। तब आरएसएस के सरसंघसंचालक ने कहा था कि तिरंगा का साथ मत दो। भगवा का साथ दो । भाजपा और आरएसएस के लोग समझते हैं कि हम तारीख नहीं जानते हैं। हम इतिहास के विद्यार्थी हैं। इस कारण थोड़ा बहुत जानते हैं।

महाराष्ट्र मंत्रिमंडल का आज विस्तार? 16 मंत्रियों के शपथ लेने की संभावना

मुंबई, (ईएमएस)। महाराष्ट्र में शिंदे-फडणवीस सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार के लिए आज शुक्रवार का समय मिल गया है. ऐसे में राज्य को मंत्री मिलने की उम्मीद है। सूत्रों ने जानकारी दी है कि पहले चरण में बीजेपी और शिंदे गुट के 16 विधायकों को मंत्री पद की शपथ लेने की संभावना है. अब सत्ता पक्ष के विधायक इस बात को लेकर उत्सुक हैं कि मंत्री पद की शपथ कौन लेगा. हालांकि राज्य में बीजेपी और शिवसेना के बागी गुट की सरकार बने डेढ़ महीना हो गया है, लेकिन मंत्रियों को शपथ नहीं दिलाई गई है. कहा गया कि शिवसेना और शिवसेना के बागियों के बीच विवाद को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के चलते कैबिनेट के विस्तार में दिक्कतें आ रही है. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का कहना है कि जल्द ही कैबिनेट का विस्तार होगा. लेकिन इतने दिनों में यह संभव नहीं हो पाया। अब फिर से कल यानि आज शुक्रवार का समय बताया जा रहा है. इसलिए राजनीतिक गलियारों में आज संभावित कैबिनेट विस्तार पर सबकी नजरें है। गौरतलब हो कि महाराष्ट्र में पिछले एक डेढ़ महीने से सत्ता संघर्ष चल रहा है। बगावत करते हुए निकले शिंदे समूह ने भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई है। हालांकि, सवा महीने बीत जाने के बाद भी एकनाथ शिंदे के मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं किया गया था। शिंदे समूह के प्रवक्ता दीपक केसरकर ने कहा था कि अगले रविवार तक मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा। ऐसे में अब शिंदे सरकार की कैबिनेट की संभावित लिस्ट सामने आई है. कहा गया है कि पहले चरण में वरिष्ठ नेताओं को मंत्री पद दिया जाएगा। सूत्रों की मानें तो बीजेपी के 8 और शिवसेना के 8 विधायकों को मौका मिलेगा. बीजेपी ने उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे की आलोचना करने वाले नितेश राणे का नाम मंत्री पद की सूची में दिया है. इसके साथ ही राधाकृष्ण विखे-पाटिल का भी नाम है।

- शिंदे गुट के संभावित मंत्रियों के नाम

दादा भुसे, उदय सामंत, संदीपन भुमरे, शंभूराज देसाई, अब्दुल सत्तार, संजय शिरसाट, दीपक केसरकर, गुलाबराव पाटील और बच्चू कडू.

- भाजपा के संभावित मंत्रियों के नाम

सुधीर मुनगंटीवार, गिरीश महाजन, चंद्रकांत पाटील, राधाकृष्ण विखे-पाटील

नितेश राणे, बबनराव लोणीकर, जयकुमार रावल और संजय कुटे।

इस बीच, गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में दूसरी सुनवाई हुई कि वास्तव में शिवसेना किसकी। लेकिन अब इस मामले की सुनवाई सोमवार को होगी. इसलिए यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी शिंदे मंत्रिमंडल विस्तार की अनुमति देते हैं या नहीं ?

शिमला-कालका हेरिटेज रेल ट्रैक के पास भूस्खलन, ट्रेन सेवा बाधित

शिमला (ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन की वजह से ट्रेन सेवा बाधित हो गई। भूस्खलन की घटना शिमला-कालका हेरिटेज रेल ट्रैक के पास की है। 50 से अधिक यात्रियों को लेकर एक ट्रेन जब सोलन जिले के पट्टा मोड़ के पास पहुंची तो एक पहाड़ी से बड़े-बड़े पत्थर गिरने लगे। हालांकि, ड्राइवर की सतर्कता से बड़ा हादसा होते-होते टल गया। ड्राइवर ने तत्काल समय पर ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोक दिया।

दरअसल, मानसून के आते ही पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन जैसी घटनाओं का खतरा मंडराने लगता है। हाल ही में उत्तराखंड के धारचूला में भूस्खलन की घटना सामने आई थी। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

जन हितैषी

अलकायदा को झटका

अमेरिका ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में अलकायदा सरगना अल जवाहिरी को एक ड्रोन स्ट्राइक में मार गिराया है। अल-जवाहिरी को मार गिराने के लिए बैठकों का लंबा दौर चला। एक जुलाई को ही सीआईए अधिकारियों के साथ बाइडन की बैठक में पूरा प्लान तैयार हुआ था। अमेरिका को शक था कि जवाहिरी या तो पाकिस्तान के कबायली इलाके या फिर अफगानिस्तान में छिपा हुआ है। पिछले कई सालों से अमेरिकी सरकार को एक ऐसे आतंकी नेटवर्क के बारे में जानकारी मिल रही थी, जिसका समर्थन अल-जवाहिरी कर रहा था। अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद अमेरिकी खुफिया एजेंसी को काबुल में अलकायदा की उपस्थिति के संकेत व सबूत मिल रहे थे। इसी साल अमेरिकी अधिकारियों को पता चला कि जवाहिरी की पत्नी व बच्चे काबुल स्थित एक घर में रहते हैं। इसी जगह पर जवाहिरी के होने की पहचान की गई। अगले कुछ महीनों में सुरक्षा अधिकारियों ने इस बात को और पक्का किया कि पहचान किया जाने वाला शख्स अलकायदा चीफ अल-जवाहिरी ही है। इसके बाद अप्रैल से वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को इस पूरे मामले की ब्रीफिंग शुरू कर दी गई।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन राष्ट्रपति जो बाइडेन को भी जानकारी दी। सीआईए ने जवाहिरी के घर के बारे में जानकारी जुटाना शुरू कर दी। घर कैसे बना है। वहां पर आने-जाने के कितने रास्ते हैं। इसकी विस्तृत जानकारी इकत्र की गई। जिससे मिशन को अंजाम देते वक्त जवाहिरी के परिवार व अन्य नागरिकों को कोई नुकसान न पहुंचे। 25 जुलाई को इस मिशन को अंजाम देने के लिए अंतिम बैठक हुई। इसमें राष्ट्रपति जो बाइडेन ने सटीक ड्रोन हमले(जिसमें नागरिकों को कम से कम नुकसान हो) की अनुमति दी। 31 जुलाई, रविवार को सीआईए को अल-जवाहिरी घर की बालकनी में दिखा। इसके बाद ड्रोन से हमला कर उसे मार गिराया गया। यह 11 नवंबर 2001 को हुए हमले के पीडितों को न्याय दिलाने की दिशा में एक और कदम है। अलकायदा एक अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठन है। इसकी स्थापना आतंकवादी ओसामा बिन लादेन और अब्दुल्लाह आजम ने 1988 में की थी। बताया जाता है कि ये संगठन तब बनाया गया था, जब अफगानिस्तान में सोवियत संघ के सैनिक दाखिल हुए थे। इस संगठन को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो), यूरोपीय संघ, संयुक्त राज्य अमरीका, यूनाइटेड किंगडम, भारत, रूस और कई देशों ने आतंकवादी समूह करार दिया है। अलकायदा के पास 20 हजार से अधिक लड़ाके हैं और यह संगठन 60-65 देशों में मौजूद है। अलकायदा की संपत्ति की बात करें तो अलकायदा के पास 150 मिलियन डॉलर यानी लगभग 1200 से 1500 करोड़ तक का फंड है। यह संगठन इसका इस्तेमाल दूसरे देशों में आतंक फैलाने और लड़ाकों को ट्रेनिंग करने पर करता है। अलकायदा को ओसामा-बिन-लादेन ने ही शुरू किया था। 10 मार्च 1957 को इसका जन्म सऊदी अरब के रियाद शहर में हुआ था। ओसामा के पिता मोहम्मद अवाद बिन लादेन एक अमीर बिल्डर थे। अवाद बिन लादेन के 52 बच्चे थे और ओसामा 17वें नंबर पर था। पिता की 1968 में मौत हो गई। तब ओसामा 11 साल का था और उसे विरासत में आठ करोड़ डॉलर की राशि मिली थी। उस दौरान वह स्कूल में पढ़ाई कर रहा था। बाद में उसने सऊदी अरब के शाह अब्दुल्ला अजीज विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। ओसामा बिन लादेन के मारे जाने के बाद अलकायदा प्रमुख की कुर्सी अयमान अल-जवाहिरी ने संभाल ली। अयमान अल-जवाहिरी की उम्र 71 साल है। इसने भी ओसामा के मरने के बाद भारत, अमेरिका समेत कई देशों में आतंकी हमले करवाए। इसका जन्म 1951 में गिजा में हुआ था। जवाहरी ने मेडिकल की पढ़ाई की थी। अभी इसकी तलाश दुनियाभर की कई एजेंसियां कर रहीं हैं। कहा जाता है कि अलकायदा को अभी पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान, ईराक, कुवैत जैसे देशों से फंडिंग मिलती है। सऊदी में मेडिकल की पढ़ाई के दौरान उसकी मुलाकात अलकायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन से हुई थी। फिर दोनों के बीच दोस्ती गहरी हो गई। लादेन अपने संगठन को बढ़ाने के लिए पाकिस्तान के पेशावर गया था और इस दौरान अल जवाहिरी भी उसके साथ था। यहीं से दोनों आतंकियों के बीच रिश्ता और मजबूत होने लगा। इसके बाद 2001 में अल जवाहिरी ने अपने संगठन का अलकायदा में विलय कर लिया। अलकायदा को ओसामा-बिन-लादेन ने ही शुरू किया था। 10 मार्च 1957 को इसका जन्म सऊदी अरब के रियाद शहर में हुआ था। ओसामा के पिता मोहम्मद अवाद बिन लादेन एक अमीर बिल्डर थे। अवाद बिन लादेन के 52 बच्चे थे और ओसामा 17वें नंबर पर था। पिता की 1968 में मौत हो गई। तब ओसामा 11 साल का था और उसे विरासत में आठ करोड़ डॉलर की राशि मिली थी। उस दौरान वह स्कूल में पढ़ाई कर रहा था। बाद में उसने सऊदी अरब के शाह अब्दुल्ला अजीज विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी।

इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान ओसामा बिन लादेन कट्टरपंथी इस्लामी शिक्षकों और छात्रों के संपर्क में आया। इसके बाद वह 1979 में मुजाहिदीन नाम से पहचाने जाने वाले लड़ाकों की मदद के लिए अफगानिस्तान गया। लादेन एक गुट का मुख्य आर्थिक मददगार बन गया, जो बाद में अल कायदा कहलाया। 1989 में अफगानिस्तान में सोवियत संघ के हटने के बाद लादेन अपनी कंस्ट्रक्शन कंपनी के लिए वापस सऊदी अरब लौट गया। यहां उसने अफगान युद्ध में मदद के लिए फंड जुटाना शुरू किया। यहीं से अलकायदा वैश्विक गुट बन गया।

ईश्वर के पहरेदार बने बैठे ये 'स्वयंभू धर्म दूत'

इज़राइल के चैनल 13 के एक यहूदी टीवी पत्रकार गिल तामरी ने पिछले दिनों सऊदी अरब के पवित्र शहर मक्का में प्रवेश कर वहाँ का एक वीडियो बनाया और उस वीडियो को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। उसके बाद सऊदी अरब प्रशासन में खलबली मच गयी। सऊदी पुलिस ने इस मामले में पूरी तत्परता दिखाते हुये सऊदी अरब के ही निवासी एक व्यक्ति को गिरफ़्तार कर लिया गया है। आरोप है कि इसी व्यक्ति ने चैनल 13 के इसराइली टीवी पत्रकार गिल तामरी को मक्का में प्रवेश कराने में सहायता की थी। हालांकि अपनी मक्का यात्रा के बाद पत्रकार तामरी ने यह कहते हुये माफ़ी मांगी है कि वे -'धार्मिक सहिष्णुता को बढ़ावा देने के लिए मक्का और इस्लाम की सुंदरता दुनिया को दिखाना चाहते थे ' । वीडियो में तामरी को स्वयं ये बोलते भी सुना जा सकता है कि ''सऊदी क़ानून के अनुसार ग़ैर-मुसलमानों का यहाँ आना वर्जित है। मेरे लिए भी यहां पहुंचना असंभव था। परन्तु मुझे यहां एक बहुत अच्छे व्यक्ति (गाईड) मिले जिन्होंने अपनी जान ख़तरे में डालकर मुझे यहां ले जाने का फ़ैसला किया ''। इस पूरे प्रकरण में मक्का पुलिस का कहना है कि 'मक्का में प्रवेश करने वाले इसराइली पत्रकार पर आगे क़ानूनी कार्रवाई की जा रही है। मक्का पुलिस प्रवक्ता ने एक बार फिर पुरज़ोर तरीक़े से यह कहा है कि सऊदी अरब आने वाले लोग यहाँ के नियम-क़ानूनों का पालन करें, ख़ासतौर पर दो पवित्र मस्जिदों और अन्य पवित्र जगहों के मामले में।अन्यथा क़ानूनों का उल्लंघन करने वालों को सऊदी क़ानून के अनुसार सज़ा दी जाएगी। ग़ौर तलब कि मक्का शहर के चारों ओर नगर की एक सीमा निर्धारित की गयी है और इन सीमाओं के प्रवेश द्वार पर बड़े अक्षरों से बोर्ड पर लिखा गया है कि -'ग़ैर मुस्लिमों का मक्का की सीमाओं में प्रवेश वर्जित,केवल मुस्लिम मक्का में दाख़िल हो सकते हैं।'

इस घटना के बाद एक बार फिर वही बहुचर्चित सवाल विश्व स्तर पर पूछा जाने लगा है कि आख़िर हज की रस्म अदा करने के लिये सऊदी अरब के पवित्र मक्का शहर में ग़ैर मुस्लिमों का प्रवेश क्यों वर्जित है। हज के तौर तरीक़ों और हज अदायगी को क़रीब से देखने की उत्सुकता रखने वाले दुनिया के तमाम लोग सऊदी सरकार के इस फ़ैसले से व्यथित हैं। केवल ग़ैर मुस्लिम ही नहीं बल्कि दुनिया के मुसलमानों का भी एक बड़ा वर्ग जो हमेशा से सऊदी सरकार के इस 'ग़ैर मुस्लिम का मक्का प्रवेश निषेध ' नीति का विरोधी रहा है वह भी पुनः मुखरित हो उठा है। ग़ौर तलब है कि हज स्थल मक्का (काबा शरीफ़) चूँकि सऊदी अरब में इत्तेफ़ाक़न इसलिये स्थित है क्योंकि इस्लाम धर्म की शुरुआत अरब से ही हुई और यही इस्लाम धर्म के प्रवर्तक हज़रत मुहम्मद साहब की जन्म व कर्मस्थली भी रही है। परन्तु चूँकि इस्लाम विश्वस्तर पर फैल चुका है और पूरी दुनिया के लोग हज या उमरा करने मक्का आते जाते रहते हैं इसलिये दुनिया का मुसलमान इन पवित्र धार्मिक स्थलों पर अपना भी समान अधिकार समझता है। कई बार मुस्लिम जगत में यह चर्चा भी हो चुकी कि सऊदी अरब में हज उमरा आदि धार्मिक गतिविधियों के नियम क़ायदे यहाँ तक कि अलग अलग देशों का वीज़ा कोटा निर्धारण करने के लिये इस्लामी देशों की विश्वस्तरीय संयुक्त कमेटी बनायी जाये।परन्तु ठीक इसके विपरीत सऊदी सरकार इन स्थानों पर अपना आधिपत्य समझती है। और इस पवित्र क्षेत्र में अपनी ही सोच विचार के अनुसार नियम क़ानून निर्धारित व लागू करती है। ग़ैर मुस्लिमों के मक्का प्रवेश निषेध मामले पर वह यही कहकर पल्ला झाड़ती कि अन्य देशों की तरह किसी भी क्षेत्र या किसी भी व्यक्ति को वीज़ा देना या न देना उसका अपना अधिकार है इसके लिये कोई चुनौती नहीं दी जा सकती।

परन्तु मक्का के अतिरिक्त भी अनेक इस्लामी धर्मस्थल ऐसे हैं जहां पूरे वर्ष और चौबीस घंटे मक्का और मदीना से भी ज़्यादा दर्शनार्थियों व पर्यटकों की भीड़ रहती है। उदाहरण के तौर पर करबला,नजफ़ सीरिया और इराक़ के अनेक रौज़े हर समय दर्शनार्थियों से भरे रहते हैं। भारत और पाकिस्तान की अनेकानेक विश्व स्तरीय मस्जिदें व दरगाहें हर समय आम लोगों के दर्शन व भ्रमण के लिये खुली रहती हैं। ऐसी जगहों पर सरकार या धर्मस्थान का प्रबंधन न किसी से किसी का धर्म पूछता है न जाति न नागरिकता। ऐसे में विश्व के सबसे महत्वपूर्ण इस्लामी धर्मस्थल मक्का पर सऊदी सरकार द्वारा थोपा गया 'प्रवेश प्रतिबंध क़ानून ' न केवल समानता जैसे इस्लामी सिद्धांतों को चुनौती देता है बल्कि इस्लाम विरोधी भावना रखने वालों को तरह तरह के निराधार तर्क गढ़ने के भी अवसर देता है।

सऊदी सरकार के इस फ़ैसले में शिया व बरेलवी समुदाय को लेकर भी काफ़ी विरोधाभास है। क्योंकि इन दोनों ही समुदाय के लोग बड़ी संख्या में हज व उमरा करने के लिये जाते रहते हैं। और सऊदी सरकार इनको वीज़ा भी देती है। परन्तु अहमदिया मुसलमान अन्य ग़ैर मुस्लिमों की तरह हज करने नहीं जा सकते। इन्हें सऊदी सरकार ग़ैर मुस्लिम की श्रेणी में रखती है। अरब,भारत,बंगलादेश,अफ़ग़ानिस्तान व पाकिस्तान के अनेक सुन्नी वहाबी मुसलमान समय समय पर शिया व बरेलवी समुदाय के विरुद्ध फ़तवे जारी कर इन्हें भी ग़ैर मुस्लिम और मुशरिक (बहुदेववादी) बताते रहे हैं। क्योंकि यह लोग ताज़ियादारी करते हैं,पीरों फ़क़ीरों की मज़ारों पर दुआएं मांगते हैं,या अली मदद बोलते हैं,और इन सब के सामने हाथ उठाकर दुआएं मांगते हैं। इसलिये वहाबी मतावलंबी इन समुदाय के लोगों को कभी काफ़िर तो कभी मुशरिक की उपाधियों से नवाज़ते रहते हैं। सवाल यह है कि जब सऊदी अरब में भी वहाबी विचारधारा की हुकूमत है तो वह शिया व बरेलवी मुसलमानों पर भी मक्का में प्रवेश वर्जित करने का साहस क्यों नहीं करती ?और अहमदिया मुसलमानों पर क्यों प्रवेश निषेध किया हुआ है ? क्या यह वहाबियों को तय करना है कि एक अल्लाह का कलमा पढ़ने के बावजूद उनकी नज़रों में कौन सा मुस्लिम समुदाय मुसलमान है और कौन मुशरिक या काफ़िर ?

किसी भी धर्म के किसी भी धर्मस्थान में धर्म या जाति के आधार पर किसी भी श्रद्धालु को जाने से मना करने का अधिकार मेरे विचार से किसी भी व्यक्ति,सरकार अथवा शासक को नहीं होना चाहिये। जिस तरह चर्च,गुरुद्वारे,इमाम बरगाहें,दरगाहें और विश्व की सुप्रसिद्ध मस्जिदें सभी के लिये खुली हैं उसी तरह मक्का,हज स्थल आदि भी पूर्णतयः प्रतिबंध मुक्त होने चाहिये। भारत में भी अनेक मंदिरों में महिलाओं,दलितों व मुसलमानों का जाना प्रतिबंधित है। यह प्रतिबंध भी समाप्त होने चाहिये। ऐसे प्रतिबंधों से तो संकीर्णता का ही सन्देश जाता है और यह भी कि गोया -'ईश्वर के पहरेदार बने बैठे ये 'स्वयंभू धर्म दूत' । (लेखक- तनवीर जाफ़री / ईएएमस)

वन नेशन... वन लीडर... वन फोटो की संभावना...?

देश के गृहमंत्री अमित शाह ने बिहार जाकर उन कयासों को मूर्तरूप दे दिया है, जिसकी चर्चा पूरे देश के राजनीतिक गलियारों में जोर-शोर से चल रही थी, अमित शाह ने बिहार की राजधानी पटना में घोषणा भी कि इक्कीस महीने बाद होने वाले लोकसभा चुनाव में श्री नरेन्द्र मोदी ही भारतीय जनता पार्टी से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार होगें तथा इन चुनावों भाजपा व जनता दल (यूनाईटेड) एक साथ मिल कर चुनाव लड़ेगी। इस तरह जैसे कि संभावना थी, केन्द्रीय गृहमंत्री ने उस संभावना पर स्वीकृति का ठप्पा लगा दिया, श्री शाह ने यह भी कहा कि फिलहाल चुनावी तैयारियों में भाजपा सबसे आगे चल रही है।

श्री अमित शाह के इस महत्वपूर्ण बयान के साथ ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी गर्वोक्तिपूर्ण बयान में कह दिया कि 2024 तक देश में मौजूदा क्षेत्रिय राजनीति दल खत्म हो जाएगें और रहेगी तो सिर्फ और सिर्फ भाजपा ही। जहां तक कांग्रेस का सवाल है, वह तो अगले चालीस साल में भी हमारी बराबरी पर नहीं आ सकती।

भारतीय जनता पार्टी की इन दोनों महान हस्तियों के बयानों को लेकर देश में राजनीतिक चर्चाओं और इन बयानों के विश्लेषण का बाजार गर्म हो गया है, कोई इन बयानों को मोदी के प्रति अंधभक्ति बता रहा है, तो कोई मोदी जी को 'डूबते को तिनके का सहारा' निरूपित कर रहा है।

यद्यपि फिलहाल मौजूदा राजनीतिक हालातों को देखकर इन दोनों शीर्ष नेताओं में वास्तविकता तो झलकती है क्योंकि आज के राजनीतिक माहौल में भाजपा का मुकाबला करने की किसी भी दल की हिम्मत नहीं है, दूसरा राष्ट्रीय दल कांग्रेस जहां 'आत्म हत्या' पर उतारू है, वहीं उसकी दिनोंदिन देश में साख गिरती ही जा रही है, दूसरे सब क्षेत्रिय दल है, चाहे वह समाजवादी पार्टी हो या कि आम आदमी या बसपा पार्टी, और ये दल कितने ही प्रयास कर ले 42 वर्षीय नौजवान भारतीय जनता पार्टी के मुकाबले में खड़ी नहीं हो सकती। इसी विषम स्थिति के कारण भारतीय जनता पार्टी का अहम् भी बढ़ता जा रहा है, क्योंकि फिलहाल देश में उसका कोई विकल्प नहीं है और जहां तक भाजपा का सवाल है वह आमों से लदा वृक्ष अवश्य है कितनी उसकी आमों से सराबोर डालियां फलदार वृक्ष की गुणवत्ता को सरोकार कर झुक नहीं रही है बल्कि आकाश की ओर तन रही है, यही विसंगति आज भाजपा के साथ है।

वैसे भाजपा का इतिहास देखा जाए तो भारतीय जनसंघ के रूप में आजादी के बाद इसका जन्म हुआ था और 1980 में भारतीय जनता पार्टी के रूप में इसका पुनर्जन्म हुआ और अटल जी-अडवानी जी व डॉ. मुरली मनोहर जोशी जैसे नेताओं ने इसे पाल पोसकर बड़ा किया और मानव संस्कृति के अनुसार आज के पार्टी के भविष्य के नए खेवनहारों ने पार्टी के प्रमुख सूत्रधारों या जन्मदाताओं को उपेक्षा के ताक में बैठा दिया है, यद्यपि अटल जी आज ये दुर्दिन देखने को जीवित नहीं है, किंतु शेष दो नेता अड़वानी जी व डॉ. मुरली मनोहर जोशी जी को अभिशाप के दौर से गुजरना पड़ रहा है और पार्टी सत्ता के शिखर तक पहुंचाने वाली सीढ़ी को तोड़-फोड़ कर फैंक दिया है, जिससे कोई और शिखर तक पहुंचने की सोच भी न सके?

यह तो है, वह राजनीतिक दास्तान जो किसी से भी छुपी हुई नहीं है, पूरे देश का बुद्धिजीवी वोटर यह सब जानता है, किंतु वह भी मजबूर इसलिए है क्योंकि उसके सामने भाजपा का कोई विकल्प फिलहाल मौजूद ही नहीं है? शायद इसीलिए अब चुनावों के वक्त ''इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन'' ने 'नोटा' पर वोटर की मोहरें ज्यादा मिलने लगी है और वोटिंग के साथ जीत के अंतर व प्राप्त वोट का आंकड़ा भी कम होता जा रहा है, अब इस विकट स्थिति में भारत के भविष्य की चिंता आम वोटर के दिल-दिमाग में हलचल पैदा कर रही है और वह इसका सही विकल्प खोज नहीं पा रहा है, संभव में किसी बड़ी क्रांति का यह स्थिति कारण बन जाए? क्योंकि आज देश की आजादी के इस 'अमृत काल' में देश की चिंता किसे नहीं है? या गर्वोन्नत भाजपा को ही 'लदे फलों वाली डाली' का झुकने का गुण याद आ जाए और वह अहम् और सत्ता का घमण्ड त्याग कर देश के आम वोटर के सामने 'विनीत' रूप में पेश आए?

अब जो भी हो, फिलहाल तो केन्द्रीय गृहमंत्री की अहम् घोषणा व सत्तारूढ़ पार्टी के अध्यक्ष की गर्वोक्ति की समीक्षा या विश्लेषण जरूरी है। (लेखक- ओमप्रकाश मेहता /ईएमएस)

आज का इतिहास 05 अगस्त

1600 स्काटलैंड में लार्ड गावरी और उनके भाई अलेक्जैंडर रूथवेन ने शासक जेम्स छठवें को बंदी बनाया.

1716 सेवाय के राजकुमार यूजीन ने तुर्की के सैनिकों को पेट्रोवार्डिन रूस में पराजित किया.

1810 नेपोलियन बोनापार्ट ने फ्रांस में आयात की जाने वाली वस्तुओं पर कर लगाया.

1858 अटलांटिक के आर-पार केबल बिछाने का काम पूरा हुआ.

1930 चांद पर उतरनेवाले पहले व्यक्ति नील आर्मस्ट्रांग का जन्म.

1949 इक्वाडोर में भूकंप से छह हजार से अधिक लोग मारे गए.

1962 अमरीकी अभिनेत्री मर्लिन मुनरो को लास एंजेल्स में मृत पायी गई.

1976 सुडान में असफल क्रांति में भाग लेने वाले कमांडर और 16 अन्य को मौत के घाट उतारा

1992 दक्षिण अफ्रीका में नेल्सन मंडेला ने लाखों लोगों के साथ श्वेतों का शासन समाप्त करने के लिए प्रदर्शन किया.

1996 सरकार द्वारा स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस व अन्य राजकीय समारोह के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज में फूल बांध कर फहराने की प्रथा समाप्त कर दी गई.

2001 असम के बोंगाई गांव के बिजनी क्षेत्र में हुए एक शक्तिशाली बम विस्फोट में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के सात जवान सहित नौ लोग मारे गए.

2005 बंगाल की नेता ममता बनर्जी ने लोकसभा उपाध्यक्ष पर कागज फैंकते हुए त्यागपत्र दिया जिसे स्पीकर सोमनाथ चटर्जी ने अस्वीकार कर दिया

समय के महत्व को समझें और अपनी महत्वकाक्षांओं को पूरा करें

गांव व डाकघर भंगरोटू जिला मंडी हिमाचल प्रदेष 175021

समय के महत्व को समझें और अपनी महत्वकाक्षांओं को पूरा करें।समय एक अनमोल पूंजी है। समय के पाबंद बने।समय रेत की तरह हर पल फिसल रहा है क्योंकि समय को बांधा नहीं जा सकता यह अटल सत्य है।अगर समय के साथ नहीं चलोगें तो पिछड़ जाओगें।समय का प्रबंधन करें।समय को जिसने भी बरबाद किया समय ने उसे भी बरबाद कर दिया।समय किसी का इंतजार नहीं करता।समय का सदुपयोग करोगे तो सफलता हासिल करोगे अगर समय का दुरुपयोग करोगे तो धराषायी हो जाओगे।समय की जिसने कदर की समय ने उसे उचाईयां दी है।मानव को चाहिए कि समय के हर एक मिनट और सैकंड व घंटों का सही सदुपयोग करे।जो समय के साथ निर्बाध गति से चला समय ने उसे मंजिल तक पहुंचाया है।समय बहुत ही बलवान है वक्त के थपेडों से कोई नहीं बच पाया है।समय सारणी बनाएं और हर पल का फायदा उठाएं।समय का सदुपयोग करें और अपने जीवन को खुषहाल बनाएं।आज लोग मोबाईल फोन पर समय बरबाद कर रहे है।चैबीसों घंटे सोषल मीडिया पर व्यस्त रहते है।एक-एक मिनट की कीमत पहचानो।एक धावक एक सैंकेड खो देता है तो वह गोल्ड मैडल से वंचित रह जाता है।चौबीस घंटों में से आदमी पता नहीं कितने घंटे बेकार के कामों में बरवाद कर रहा है।एक मिनट के देरी से रेल छूट सकती है। समय सबसे बड़ा गुरु है।समय ने बड़े से बड़े तानाषाहों को धूल चटा दी जो समय के खिलाफ चले थे मिटटी में मिल गए।वक्त का पहिया जब घूमता है तो कंगाल होने में देर नहीं लगती।मानव को समय से डरना चाहिए न जाने कब कैसा समय देखना पड़े।समय का मिजाज पता नहीं कब बदल जाए।आज मानव के पास अच्छा करने का समय ही नहीं है जबकि बुरा करने के लिए समय ही समय है।मानव कितन भी अमीर हो जाए अपना गुजरा हुआ समय नहीं खरीद सकता।समय से डरो अच्छे कर्म करो।समय मानव को कई रंग दिखाता है।समय -समय पर मानव की परीक्षा लेता रहता है।समय का सही मायने में सम्मान करो।समय अनमोल है व दुर्लभ है। कोरोना महामारी ने मानव को समय की कीमत बता दी। समय बलवान है। कोराना महामारी में सात संमदर पार से लोग अपने वतन पहुच गए जिनके पास समय ही नहीं होता था।रिष्ते नातों के लिए समय नहीं होता था मगर कोरोना में समय ने सबको एक छत के नीचे लाकर खड़ा कर दिया था। मानव को हमेषा अतीत का आईना देखते रहना चाहिए ताकि अहसास होता रहे कि ऐसे भी दिन थे दिन एक जून की रोटी नसीब नहीं होती थी आज जब समय बदला तो अपना गुजरा हुआ वक्त भूल रहा है।आदमी भले ही कितना बड़ा बन जाए मगर अतीत के समय की परछाईयां उसका दामन नहीं छोड़ती मरते दम तक साथ रहती हैं।समय बदलते देर नहीं लगती समय किसी को भी अर्ष पर ले जाता है और किसी को फर्ष पर ले जाता है इसलिए मानव को मर्यादा में रहकर ही हर काम करना चाहिए।आदमी को किसी के साथ भी धोखा नहीं करना चाहिए।किसी के साथ विष्वासघात नहीं करना चाहिए।क्योंकि एक बार विष्वास टूट जाता तो फिर से कायम कर पाना मुष्किल हो जाता है।ऐसे मानव का जीवन व्यर्थ है जो दूसरों को दुख देता है।समय के पास सबका लेखाजोखा है।जीवन में हम अनेक समय सुख-दुख देखते है,परन्तु क्या हमने किसी और के लिए कुछ करने के बाद सच्चे सुख की अनुभूति की है दूसरों का बुरा समय देखकर आखें मत फेरो बल्कि अपनी सामर्थ्य के अनुसार दीजिए ,खासकर उन्हे जो अनेक चीजों से वंचित ही रहे या जिन्हे दुख के सिवाय कुछ भी नहीं मिला। आप महसूस करेगें कि परोपकार का काम करने के बाद आपके होंठों पर आई मुस्कराहट दुनियाभर की दौलत से भी मंहगी होगी। सुख के समय में तो सभी साथ होते है मगर दुख के समय में साथ छोड देते है।सुख के समय ही समय न लगे पर दुख में समय निकालकर प्रत्येक की सहायता करो।क्योंकि दुख में जो किसी का साथ देता है वह एक मिसाल बन जाता है। आदमी आज समय बदलने पर गिरगिटों की तरह रंग बदलता है। आज मानव का समय व मतलब निकल जाने पर पहचानने से इन्कार कर देता है। आज मानव समय के अनुसार भले ही कितनी प्रगति कर ली है मगर सोच वही सामंतवादी है।पैसा ही सब कुछ नहीं होता मगर आज रिष्ते तराजू पर तोले जाते है अगर कोई गरीब है तो उसके लिए समय ही नहीं है।उसके साथ भेदभाव किया जाता है।वक्त बदलते देर नही लगती इसलिए आदमी को अपना अतीत याद करते रहना चाहिए।ताकि विपतेयो का अहसास होता रहे। आदमी को सादगी व उच्च विचारों मे विष्वास रखना चाहिए।समय यही सिखाता है कि किसी का समय बरबाद मत करो।समय कीमती है जिसने समय की कीमत जान ली है वह हर जगह सफल होता है।आज अच्छाई के लिए समय नहें है।बुराई के लिए हर समय तैयार है।समय एक जैसा नहीं रहता आज अच्छा है कल का पता नहीं कैसा होगा।समय को पहचानो तभी समय आपको एक अलग पहचान देगा। (लेखक- नरेन्द्र भारती /ईएमएस)

सांख्य और कर्मयोग का संबंध

भौतिक जगत के विश्लेषणात्मक अध्ययन (सांख्य) का उद्देश्य आत्मा को प्राप्त करना है। भौतिक जगत की आत्मा विष्णु या परमात्मा है. भगवान की भक्ति का अर्थ परमात्मा की सेवा है। एक विधि से वृक्ष की जड़ खोजी जाती है और दूसरी विधि से उसको सींचा जाता है। सांख्य दर्शन का वास्तविक छात्र जगत के मूल अर्थात विष्णु को ढूंढता है, और फिर पूर्णज्ञान समेत अपने को भगवान की सेवा में लगा देता है। अतः मूलतः इन दोनों में कोई भेद नहीं है क्योंकि दोनों का उद्देश्य विष्णु की प्राप्ति है। जो लोग चरम उद्देश्य को नहीं जानते, वे ही कहते हैं कि सांख्य और कर्मयोग एक नहीं है। किंतु जो विद्वान है, वह जानता है कि इन दोनों भिन्न विधियों का उद्देश्य एक है। दार्शनिक शोध (सांख्य) का वास्तविक उद्देश्य जीवन के चरम लक्ष्य की खोज है। चूंकि जीवन का चरम लक्ष्य आत्म-साक्षात्कार है, अतः दोनों विधियों से प्राप्त होने वाले परिणामों में कोई अन्तर नहीं है। वस्तुतः जो पदार्थ से विरक्ति व कृष्ण में आसक्ति को एक तरह देखता है, वही वस्तुओं को यथारूप में देखता है।

मायावादी संन्यासी सांख्य दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं तथा वैष्णव संन्यासी वेदान्त सूत्रों के यथार्थ भाष्य भागवत दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं। वैष्णव संन्यासियों को भौतिक कार्य से कोई सरोकार नहीं रहता, तो भी वे भगवान की भक्ति में नाना प्रकार के कार्य करते हैं। किन्तु मायावादी संन्यासी, जो सांख्य तथा वेदान्त के अध्ययन व चिन्तन में लगे रहते हैं, भगवान की दिव्य भक्ति का आनन्द नहीं उठा पाते। उनका अध्ययन अत्यन्त जटिल हो जाता है, अतः वे कभी-कभी ब्रह्म चिन्तन से ऊबकर समुचित बोध बिना ही भागवत की शरण ग्रहण करते हैं। मायावादी संन्यासी कभी-कभी आत्म-साक्षात्कार के पथ से नीचे गिर जाते हैं और फिर से समाजसेवा, परोपकार जैसे भौतिक कर्म में प्रवृत्त होते हैं। अतः निष्कर्ष निकला कि कृष्णभावनामृत के कार्य में लगे रहने वाले लोग ब्रह्म-अब्रह्म विषयक चिन्तन में लगे संन्यासियों से श्रेष्ठ होते हैं, यद्यपि वे भी अनेक जन्मों के बाद कृष्णभावनाभावित हो जाते हैं।

शब्द पहेली - 7368

बाएँ से दाएँ

1. नमाज से पहले पढ़ी जानेवाली आयत -3
3. तहजीब,शिष्टता-3
5. पिता के पिता-2
6. स्मृति-2
8. बारिश,बरखा-4
11. शांति,सन्नाटा-3
13. गिरवी रखी वस्तु-3
14. सूक्ष्म कण -2
15. बारबाला,मधुबाला
16. समझौता-3
18. बहने का भाव-3
20. बारिश का महीना-3
22. मां,मम्मी,मदर-2
24. श्रवणेंद्रिय-2
25. अंधकार,अंधेरा-3
26. अनुकृति-3

ऊपर से नीचे

1. नाज,नखरा,चौंचला-2
2. भाग्य,किस्मत-3
3. अचानक,अकस्मात -3
4. देह,बदन-2
5. बिजली,विद्युत रश्मि-3
7. दबाना,कुचलना-3
9. घोड़ागाड़ी-3
10. जुगत,युक्ति-4
12. कारण-3
16. कृष्ण का गरीब मित्र-3
17. पैंतरा,शर्त-2
19. भार-3
20. बहादुरी-3
21. नेत्र,आंख-3
23. पितामह-2
24. समयगति-2

शब्द पहेली -7367 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल-समाचार

सिंधु राष्ट्रमंडल खेलों के प्री क्वार्टरफाइनल में पहुंची

बर्मिंघम (ईएमएस)। भारत की अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु राष्ट्रमंडल खेलों की महिला एकल स्पर्धा के प्री क्वार्टरफाइनल में पहुंच गयी हैं। सिंधु ने राउंड 32 के मुकाबले में मालदीव की फातिमा नबाहा अब्दुल रज्जाक को आसानी से केवल 21 मिनट में ही 21-4, 21-11 से हरा दिया।

सिंधु के सामने इस मुकाबले में मालदीव की फातिमा टिक नहीं पायीं। पहले ही गेम में सिंधु ने आक्रामक रुख अपनाते हुए अपनी विरोध खिलाड़ी को कोई अवसर नहीं दिया। सिंधु ने अंक हासिल करने के लिए ड्राप शॉट्स का भी उपयोग किया।

दूसरे गेम में फातिमा ने शुरूआत में प्रतिरोध का प्रयास किया और एक समय वह सिंधु की गलतियों का लाभ उठाकर 9-9 की बराबरी पर आयी लेकिन इसके बाद सिंधु ने फिर तेजी दिखाते हुए ब्रेक तक 11-9 की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद सिंधु ने आराम से अंक हासिल कर अंतिम 16 में प्रवेश किया।

मैक्योन , बेयरस्टो और प्रबंध जयसूर्या प्लेयर ऑफ मंथ की दौड़ में शामिल

महिला वर्ग में भारत की रेणुका भी तीन खिलाड़ियों में शामिल

दुबई (ईएमएस)। फ्रांस के गुस्ताव मैक्योन, इंग्लैंड के धाकड़ बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो और श्रीलंका के बाएं हाथ के स्पिनर प्रबध जयसूर्या को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने जुलाई के लिए प्लेयर ऑफ मंथ के लिए नामांकित किया है। वहीं महिला वर्ग में भारतीय तेज गेंदबाज रेणुका सिंह को भी जगह मिली है। रेणुका ने राष्ट्रमण्डल खेलों में शानदार शानदार प्रदर्शन किया है। रेणुका के अलावा इंग्लैंड की नैट सीवर और इंग्लैंड की एमा भी तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं।

गुस्ताव ने टी20 विश्व कप के क्वालिफायर के अपने पहले ही मैच में चेक रिपब्लिक के खिलाफ 54 गेंद पर 76 रन बनाए थे। इसके बाद अगले 2 मैच में उन्होंने स्विट्जरलैंड के खिलाफ 109 और नॉर्वे के खिलाफ 101 रन की शतकीय पारी खेली थी। इस प्रकार वह पहली 3 पारियों में सबसे अधिक 286 रन बनाने वाले खिलाड़ी भी हैं।

वहीं स्पिनर प्रबध जसूर्या ने टेस्ट में शानदार डेब्यू करते हुए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट की दोनों पारियों में 6-6 विकेट लेकर अपनी टीम को जीत दिलाई। इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में 5 और दूसरी पारी में 4 विकेट लिए। इंग्लैंड के बेयरस्टो जून में भी आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ रहे हैं। वे एक बार फिर इस रेस में हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ 5वें टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाया था और इंग्लैंड को रिकॉर्ड जीत दिलाई थी। .

रेणुका सिंह महिला वर्ग में पुरस्कार की दौड़ में हैं। उन्होंने राष्ट्रमण्डल खेलों में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 18 रन देकर 4 विकेट लिए थे। उन्होंने जुलाई में 5 मैच में 12 विकेट लिए। इसके अलावा उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में भी शानदार प्रदर्शन किया था. इसके अलावा इंग्लैंड की नैट सीवर और इंग्लैंड की एमा लंबा भी 3 खिलाड़ियों की लिस्ट में जगह बनाने में सफल रही हैं।

तेजस्विन को राष्ट्रमण्डल खेलों की ऊंची कूद में स्वर्ण

बर्मिंघम (ईएमएस)। भारत के तेजस्विन शंकर ने राष्ट्रमंडल खेलों की ऊंची कूद स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। तेजस्विन ने इस स्पर्धा में 2.22 मीटर की छलांग लगाई। राष्ट्रीय चैम्पियन तेजस्विन का सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2.27 और सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन 2.29 मीटर है। वहीं न्यूजीलैंड के हामिश केर को स्वर्ण जबकि ऑस्ट्रेलिया के ब्रेंडन स्टार्क को रजत पदक मिला है। दोनों ने ही 2.25 मीटर की छलांग लगाई थी।

राष्ट्रमण्डल खेल : भारत के घोषाल ने स्क्वाश में कांस्य जीता

बर्मिघम (ईएमएस)। भारत के सौरव घोषाल ने राष्ट्रमण्डल खेलों की पुरुष एकल स्क्वाश स्पर्धा में कांस्य पदक जीता है। घोषाल ने एकतरफा मुकाबले में इंग्लैंड के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी जेम्स विल्सट्रॉप को सीधे गेम में 3-0 से हराया। घोषाल ने जेम्स को एकतरफा मुकाबले में 11-6, 11-1, 11-4 से हराया।

राष्ट्रमंडल खेलों की स्क्वाश एकल स्पर्धा में यह भारत का पहला पदक है। घोषाल का राष्ट्रमंडल खेलों में यह दूसरा पदक है। उन्होंने इससे पहले साल 2018 में भी राष्ट्रमंडल खेलों के मिश्रित युगल में रजत पदक जीता था। घोषाल मेजबान टीम के खिलाड़ी के खिलाफ शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाते हुए पूरी तरह से हावी हो गये थे।

जेम्स ने पहले गेम में घोषाल से मुकाबले का प्रयास किया पर वह अंक हासिल करने में विफल रहे। दूसरे गेम में तो मेजबान खिलाड़ी को केवल एक अंक ही मिल पाया। तीसरे गेम में भी यह हाल रहा। इस प्रकार भारतीय खिलाड़ी ने कांस्य पदक पर कब्जा जमाया।

इससे पहले भारत की ही अनुभवी महिला खिलाड़ी जोशना चिनप्पा और हरिंदर पाल सिंह संधू की जोड़ी ने जीत के साथ ही मिश्रित युगल के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जोशना और संधू की जोड़ी ने श्रीलंका की येहेनी कुरुप्पु और रविंदु लक्सीरी की जोड़ी को 8-11 11-4 11-3 से हराया। जोशना और संधू की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उन्होंने काफी गलतियां करते हुए पहला गेम गंवा दिया लेकिन भारतीय जोड़ी ने इसके बाद वापसी करते हुए अगले दो गेम आसानी से जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। एक अन्य मुकाबले में भारत की सुनयना कुरुविला ने महिला स्क्वाश प्लेट फाइनल में गयाना की फंग ए फैट को 11-7, 13-11, 11-2 से पराजित किया।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम बारबाडोस को हराकर राष्ट्रमंडल खेलों के सेमीफाइनल में पहुंची

शैफाली , जेमिमा और रेणुका का शानदार प्रदर्शन

बर्मिघम (ईएमएस)। शैफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिगेज़ की शानदार बल्लेबाजी से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने ग्रुप-ए के दसवे और अंतिम मैच में बारबाडोस को 100 रनों से हराकर राष्ट्रमंडल खेलों के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। दिन-रात्रि के इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 163 रन बनाये। इस प्रकार बारबाडोस को जीत के लिए 164 रनों पर लक्ष्य मिला था पर वह 62 रनों पर ही आउट हो गयी। बारबाडोस की बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों विशेषकर रेणुका का सामना नहीं कर पाये। रेणुका ने दस रन देकर चार खिलाड़ियों को आउट किया जबकि मेघना सिंह, स्नेह राणा, राधा यादव और हरमनप्रीत ने एक-एक विकेट लिया।

इस मैच में बारबाडोस ने टॉस जीत कर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और अनुभवी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना केवल 5 रनों पर ही आउट हो गयी। इसके बाद शैफाली वर्मा ने 26 गेंदों पर ही सात चौके और एक छक्का लगाकर 43 रन बनाकर भारतीय टीम को संभालने का प्रयास किया लेकर कप्तान हरमनप्रीत कौर के खाता खोले बिना ही पेवेलियन लौटने और तानिया भाटिया के 6 रनों पर ही आउट होने से भारतीय टीम को करारा झटका लगा। ऐसे समय में जेमिमा रोड्रिगेज़ और दीप्ती शर्मा ने 70 रन की नाबाद साझेदारी कर टीम को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। जैमिमा ने छह चौकों और एक छक्के की सहायता से सबसे ज्यादा 56 रन बनाये, जबकि दीप्ती ने दो चौकों और एक छक्के की मदद से 34 रन रनों का अहम योगदान दिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए बारबाडोस की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी। किशोना नाइट 16 रन बनाए और शाकिरा सलमान 12 रन के अलावा कोई अन्य खिलाड़ी दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पायी।

भारत की पूजा को आईसीएफ पैरा कैनो विश्व चैंपियनशिप में रजत मिला

हैलिफैक्स (ईएमएस)। भारत की पूजा ओझा ने कनाडा के हैलिफैक्स में जारी आईसीएफ पैरा कैनो स्प्रिंट विश्व चैंपियनशिप में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया है। पैरा-कैनो विश्व चैंपियनशिप में यह भारत का पहला पदक है। वीएल1 महिला 200 मीटर फाइनल में पूजा ने 1:34.18 का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं हैम्बर्ग की लिलेमोर कोपर 1:29.79 का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहीं।

स्पर्धा में पहले हाफ के बाद पूजा आगे थीं पर फिर लिलेमोर ने पूजा को पीछे छोड़ते हुए जीत हासिल की। वह पिछले साल पैरा ओलंपिक के लिए क्वालीफाइंग चैंपियनशिप में छठे स्थान पर रहीं थीं। अभी वह दुनिया के शीर्ष पैरा कैनो खिलाड़ियों में नौवें स्थान पर हैं।

वहीं इस प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करने वाले दूसरे भारतीय सुरेंद्र कुमार ने वीएल1 पुरुष 200 मीटर में 1:22.97 के समय के साथ 5/8 का स्थान हासिल किया। शुरुआती क्लास वीएल 1 में एथलीट केवल पैडलिंग के लिए ही अपने हाथों और कंधों का उपयोग कर सकते हैं।

सरकार ने गन्ने का एफआरपी बढ़ाकर 305 रुपए प्रति क्विंटल किया

- चीनी सत्र 2022-23 अक्टूबर-सितंबर के लिए लागू होगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली आर्थिक मामलों की केंद्रीय कैबिनेट (सीसीईए) ने गन्ने के उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) को 15 रुपए बढ़ाकर 305 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया है। दरअसल एफआरपी वह कीमत होती है जिसके नीचे किसानों को भुगतान नहीं किया जा सकता है। यह मूल्य चीनी सत्र 2022-23 अक्टूबर-सितंबर के लिए लागू होगा। उपभोक्ता मंत्रालय ने बताया कि एफआरपी में 10.25 फीसदी से अधिक की वसूली में प्रत्येक 0.1 फीसीद की वृद्धि के लिए 3.05 रुपए प्रति क्विंटल का प्रीमियम भी दिया जाएगा, जबकि वसूली में प्रत्येक 0.1 फीसदी की कमी आने पर एफआरपी 3.05 रुपए घटा दी जाएगी। चीनी मिलों के मामले में वसूली दर 9.5 फीसदी से कम रहने पर कोई कटौती नहीं की जाएगी।

मंत्रालय ने बताया कि एफआरपी में बढ़ोतरी के साथ गन्ना किसानों की आमदनी बढ़कर लगभग दोगुनी हो जाएगी। चीनी सत्र 2022-23 में गन्ना उत्पादन पर प्रति क्विंटल 162 रुपए का खर्चा आने का अनुमान है, जबकि किसानों को प्रति क्विंटल 305 रुपए दिए जाएंगे, जो उनकी उत्पादन लागत से 88 फीसदी ज्यादा है। मौजूदा चीनी सत्र में गन्ने की कीमत 290 रुपए प्रति क्विंटल है। मोदी सरकार ने पिछले आठ साल में गन्ने का गारंटी मूल्य 34 फीसदी बढ़ा दिया है। आने वाले चीनी सत्र में मिलों की ओर से करीब 3,600 लाख टन गन्ने की खरीद होने की संभावना है। ऐसे में अनुमान है कि अगले सत्र में किसानों को करीब 1.20 लाख करोड़ रुपए का भुगतान किया जाएगा सरकार ने कहा है कि गन्ने का मूल्य बढ़ाने के साथ हम यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि किसानों को उनका भुगतान समय पर दिया जाए। गन्ने का मूल्य बढ़ाए जाने से सीधे तौर पर देश के 5 करोड़ किसानों को लाभ होगा। साथ ही चीनी मिलों में काम करने वाले 5 लाख कामगारों को भी इसका फायदा पहुंचेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि एथनॉल के उत्पादन में तेजी के साथ ही गन्ने की खरीद भी बढ़ रही है और इसका लाभ भी सीधे तौर पर किसानों को मिल रहा है।

भारतीय सांसद की सलाह पर भड़का चीन, भारत एक चीन नीति पर कायम रहकर ताइवान से दूरी बनाए

बीजिंग (ईएमएस)। अमेरिकी संसद की स्पीकर नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा से भड़के चीन ने भारत को धमकाया है। कांग्रेस नेता और सांसद मनीष तिवारी के ताइवान में भारतीय सांसदों के प्रतिनिधिमंडल भेजने की सलाह पर ड्रैगन बौखला गया है। चीन के नई दिल्ली स्थित दूतावास ने कहा कि भारत 'एक चीन नीति पर कायम रहकर ताइवान से दूरी बनाए। चीनी दूतावास ने कहा कि एक चीन नीति अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए साझा सहमति का सिद्धांत है। इसमें भारत भी आता है और यह चीन के दूसरे देशों के साथ संबंध विकसित करने का मूल आधार है। चीन ने यह बयान उस समय दिया हैं, जब अमेरिकी संसद की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी ने ड्रैगन की धमकी को धता बताकर ताइवान का दौरा किया था।

चीनी दूतावास के प्रवक्ता वांग शिओजिआन ने कहा, भारत उन पहले देशों में शामिल है, जिन्होंने यह मान्यता दी थी कि केवल एक चीन है। चीनी पक्ष रिश्तों को एक चीन नीति के सिद्धांत के आधार पर बढ़ाने का इच्छुक है। इससे पहले कांग्रेस नेता तिवारी ने मोदी सरकार को सलाह दी थी कि वह भी ताइवान में भारतीय सांसदों के दल को भेजने पर विचार करे। तिवारी ने कहा कि पेलोसी की तरह से लोकसभा के स्पीकर ओम बिड़ला को प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करना चाहिए। एक चीन नीति में केवल पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना को मान्यता दी गई है, जो साल 1949 में अस्तित्व में आया था।

इस दौरान वामपंथियों ने गृहयुद्ध में चीन में राष्ट्रवादियों को हराया था। ये राष्ट्रवादी ताइवान भागकर चले गए थे। चीन ने कभी भी ताइवान को मान्यता नहीं दी। अन्य देशों की तरह से भारत उन देशों में शामिल है जो एक चीन नीति को साल 1949 से ही मान्यता देते हैं। भारत का ताइवान के साथ कोई राजनयिक संबंध नहीं है। नई दिल्ली में भारत-ताइपे असोसियेशन एक दूतावास की तरह से काम करता है जिसका प्रमुख एक एक राजनयिक होता है।

ताइवान पर बंटी दुनिया, चीन को मिला रूस का साथ तो जी-7 देश हुए खिलाफ; खूब बरसा कनाडा

ओटावा (ईएमएस)। चीन और ताइवान के बीच छिड़ी तकरार में अमेरिका की इंट्री से ड्रैगन खासा खफा है। इस टकराव में दुनिया के कई और देश शामिल हो गए हैं। एक तरफ रूस ने बुधवार को बयान जारी कर अमेरिका पर आरोप लगाया था कि उसने नैन्सी पेलोसी को ताइवान भेजकर विवाद को हवा दी है और उकसाने वाला काम किया है। वहीं दूसरी तरफ कनाडा भी इस मसले में कूद पड़ा है और उसने चीन को इस तनाव के लिए जिम्मेदार ठहराया है। कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने कहा कि चीन जो कर रहा है, उसे लेकर हम बेहद चिंतित हैं। उसकी ओर से सेना की बड़े पैमाने पर तैनाती करना गैर-जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस मामले में चीन की हरकतों को भी किसी भी तरह से सही नहीं कहा जा सकता।

जर्मन विदेश मंत्री अन्नालेना बेयरबॉक से मुलाकात के दौरान भी उन्होंने यही बात कही। जोली और जर्मन विदेश मंत्री ने चीन से तनाव को कम करने की अपील की। बता दें कि नैन्सी पेलोसी ताइवान के एक दिवसीय दौरे पर पहुंची थीं और उसे लेकर चीन लाल हो गया है। 25 साल के बाद ऐसा पहली बार हुआ है, जब अमेरिका कोई नेता ताइवान पहुंचा है। द्वीपीय देश ताइवान को चीन अपना हिस्सा मानता रहा है और कई बार सेना के जोर पर उस पर कब्जा जमाने की भी धमकियां दे चुका है। इस बीच जी-7 देशों के विदेश मंत्रियों की ओर से भी इस मामले में बयान जारी किया गया है।

ग्रुप-7 देशों का कहना है, 'ताइवान की खाड़ी में जिस तरह से आक्रामक सैन्य गतिविधि चल रही है, उसे सही नहीं कहा जा सकता। हमारे सांसदों का दुनिया के किसी भी इलाके में दौरा करना सामान्य है और रूटीन प्रक्रिया है। लेकिन चीन के रवैये ने तनाव पैदा कर दिया है और क्षेत्र में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश की गई है।' जी-7 देशों की ओर से जो बयान जारी किया गया है, उसमें अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के अलावा कनाडा, जर्मनी, फ्रांस, इटली, जापान और यूके के विदेश मंत्रियों ने साइन किए हैं।

अमेरिकी राजदूत का अफ्रीका का दौरा, चीन-रूस के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए नहीं

जिनेवा (ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस ग्रीनफील्ड अफ्रीका के लिए रवाना हुईं। उन्होंने कहा कि वह वहां यह देखने के लिए जा रही हैं कि युगांडा, घाना और केप वर्दे को खाद्य संकट से निपटने में किस तरह अमेरिका मदद कर सकता है। उन्होंने साफ किया कि उनका यह दौरा चीन-रूस के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए नहीं है। अमेरिकी राजदूत ने कहा कि खाद्य संकट से पूरे अफ्रीका महाद्वीप पर काफी गहरा असर पड़ा है। ग्रीनफील्ड ने कहा कि उनकी इस यात्रा की योजना बहुत पहले तैयार कर ली गई थी और यह अमेरिका के दोनों प्रतिद्वंद्वियों में से किसी एक के साथ भी वैश्विक प्रतिस्पर्धा का हिस्सा नहीं है।

उन्होंने बताया कि यह यात्रा उच्च स्तरीय अमेरिकी सहभागिता की उस श्रृंखला का हिस्सा है, जिसका मकसद अफ्रीकी नेताओं और लोगों के साथ अमेरिकी साझेदारी और संबंधों को मजबूत करना और बढ़ाना है। चार से सात अगस्त तक चलने वाले ग्रीनफील्ड के दौरे के तुरंत बाद अमेरिकी विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन सात से 11 अगस्त तक कांगो और रवांडा का दौरा करेंगे।

गौरतलब है कि इसके पहले रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने पिछले हफ्ते मिस्र, इथोपिया, युगांडा और कांगो गणराज्य का दौरा किया था, जहां उन्होंने अमेरिका और यूरोपीय देशों पर बढ़ती खाद्य कीमतों को लेकर आरोप लगाया था। इससे पहले चीन के विदेश मंत्री वांग यी वर्ष 2022 की शुरुआत में चार दिवसीय यात्रा पर इरीट्रिया, केन्या और कोमोरोस गए थे।

नैन्सी पेलोसी की ताइवान यात्रा से गुस्साया चीन, ताइवान बॉर्डर पर जमकर मिसाइलें दागी

बीजिंग (ईएमएस)। अमेरिकी स्पीकर नैन्सी पेलोसी की ताइवान यात्रा से चीन काफी गुस्से में है। चीनी सैनिकों ने ताइवान बॉर्डर पर जमकर मिसाइलें दागी हैं। सैन्य अभ्यास के दौरान ताइवान के आसपास पानी में कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। ताइपे के रक्षा मंत्रालय ने इस क्षेत्रीय शांति को कमजोर करने वाली तर्कहीन कार्रवाई करार दिया है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी ने गुरुवार की दोपहर लगभग 13:56 बजे पूर्वोत्तर और दक्षिण-पश्चिमी ताइवान के आसपास के क्षेत्रों में डोंगफेंग श्रृंखला की कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी है।ठ चीनी ईस्टर्न थिएटर कमांड ने कहा कि उसने नियोजित अभ्यास के तहत गुरुवार को ताइवान के पूर्वी तट के पानी पर पारंपरिक मिसाइलों की कई फायरिंग पूरी कर ली है। ईस्टर्न थिएटर कमांड के प्रवक्ता ने कहा कि गोलीबारी पूरी होने के बाद संबंधित समुद्री और हवाई क्षेत्र पर नियंत्रण हटा लिया गया है।

चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि कंबोडिया में आसियान कार्यक्रमों के इतर चीन के विदेश मंत्री वांग यी और उनके जापानी समकक्ष के बीच एक बैठक रद्द कर दी गई है। एक नियमित मीडिया ब्रीफिंग में मंत्रालय के प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने कहा कि ताइवान के बारे में सात देशों के समूह द्वारा दिए गए संयुक्त बयान से चीनी पक्ष बहुत नाराज है। आपको बता दें कि जापान सहित जी-7 देशों के विदेश मंत्रियों ने बुधवार को चीन से ताइवान जलडमरूमध्य के आसपास तनाव को शांतिपूर्ण तरीके से हल करने का आह्वान किया था।

तूलिका ने जूडो में रजत के साथ ही बनाया रिकार्ड

लास एंजिल्स (ईएमएस)। भारत की तूलिका मान ने राष्ट्रमण्डल खेलों की जूडो स्पर्धा में रजत पदक जीतकर रिकार्ड बनाया है। तूलिका को 78 किलो वर्ग के खिताबी मुकाबले में स्कॉटलैंड की साराह एडलिंग्टन के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। साराह पिछले राष्ट्रमण्डल खेलों की विजेता रही हैं। तूलिका ने मुकाबले में अच्छी शुरुआत करते हुए पहला अंक हासिल किया था पर इसके बाद उस पर 2 पेनल्टी लग गई इससे वह दबाव में आ गयी।

इससे पहले, तूलिका ने सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड की सिडनी एंडयूज को हराया था। हार के बाद तूलिका काफी निराश दिखीं। यह राष्ट्रमण्डल खेलों में भारत का जूडो में दूसरा रजत और कुल तीसरा पदक है। इससे पहले सुशीला देवी ने साल 2014 में रजत जबकि विजय यादव ने उसी साल कांस्य पदक जीता था। यह पहला अवसर है जब भारत ने राष्ट्रमण्डल खेलों में तीन पदक जीते हैं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में यह गिरावट बैंक के साथ ही ऊर्जा शेयरों में मुनाफावसूली से आई है। इसके साथ ही निवेशकों के सतर्क रुख से भी बाजार नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 51.73 अंक करीब 0.09 फीसदी नीचे आकर 58,298.80 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 6.15 अंक तकरीबन 0.04 फीसदी टूटकर 17,382 अंक पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की शुक्रवार को जारी होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा को देखते हुए भी निवेशकों के सर्तक रैवैये से बैंक और रियल्टी क्षेत्र पर दबाव आया।

सेंसेक्स के शेयरों में एनटीपीसी, भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, पावरग्रिड और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। वहीं दूसरी ओर सन फार्मा, नेस्ले इंडिया, इन्फोसिस, डॉ. रेड्डीज, विप्रो और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर ऊपर आये हैं। अमेरिका-चीन के बीच तनाव बढ़ने की आशंका से भी निवेशक बाजार से दूर हुए हैं।

वहीं एशिया के अन्य बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ के साथ ही ऊपर आये। दूसरी ओर यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में उछाल रहा जबकि अमेरिकी बाजार बाजारों में बढ़त दर्ज की गयी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल 0.28 फीसदी की गिरावट के साथ ही 96.51 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

कनाडा में बेसबाल के आकार की ओलावृष्टि, गाड़ियों के शीशे टूटे

अल्बर्टा (ईएमएस)। कनाडा में ?पिछले ?दिनों भारी ओलावृष्टि से 10 से 15 मिनट तक तूफान के साथ आए बवंडर के बीच बड़े-बड़े अंगूर और बेसबाल के आकार के ओले गिरे, जिससे लोग दहशत में आ गए। इस दौरान दर्जनों गाड़ियों के शीशे चकनाचूर हो गए। ओलावृष्टि के दौरान कई यात्री जहां थे, वहीं रास्ते में फंसे रह गए। लोग इतने बड़े-बड़े ओले देखकर दंग रह गए। लोगों ने इसकी तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर साझा की है। मौसम विज्ञानियों ने इस घटना को लेकर चिंता जाहिर की है। जानकारी के मुताबिक कनाडा के एक पश्चिमी प्रांत अल्बर्टा में आए एक बवंडर के बाद ऐसी ओलावृष्टि हुई, जिसने लोगों को हैरान कर दिया। रायल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने कहा ?कि तूफान करीब 10 से 15 मिनट तक चला और करीब 34 वाहनों को नुकसान पहुंचा। कई लोगों को मामूली चोटें भी आई हैं। उन्होंने बताया कि बवंडर आया और अचानक बेसबाल के आकार के ओले गिरने लगे। इतने बड़े-बड़े ओलों को देखकर लोग घबरा गए और कई गाड़ियां आपस में टकरा गईं। दरअसल, लोग इतने बड़े आकार के ओलों को देखकर दहशत में आ गए। लोगों समझ ही नहीं पाए कि आखिर ये हो क्या रहा है। कुछ लोगों को लगा कि कोई बड़े-बड़े पत्थर मार रहा है। लोगों को जब तक समझ आया कि क्या हो रहा है, तब तक काफी नुकसान हो चुका था।

सोने और चांदी में तेजी

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आये उछाल के बीच ही दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 487 रुपये की बढ़त के साथ ही 52,566 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 52,079 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी भी 426 रुपये की बढ़त के साथ 58,806 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई जबकि पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 58,380 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

बाजार में शुरुआती कारोबार में रुपया 36 पैसे नीचे आकर 79.51 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कमजोर वृहद आर्थिक आंकड़ों के साथ ही अमेरिका-चीन के बीच तनाव बढ़ने से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना लाभ के साथ ही 1,774 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था जबकि चांदी 20.12 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर थी।

अजरबैजान और आर्मेनिया के बीच फिर बढ़ा विवाद, कब्जा का दावा, 3 सैनिकों की मौत

मास्को (ईएमएस)। रूस ने अजरबैजान पर विवादित नागोर्नो-कराबाख क्षेत्र में संघर्ष विराम तोड़ने का आरोप लगाया है। बता दें कि इस संघर्ष में तीन सैनिकों की मौत हो गई है। रूस ने 2020 में इस क्षेत्र में लड़ाई के छह सप्ताह में 6,500 से अधिक लोगों की जान गंवाने के बाद युद्धविराम समझौते में मदद की थी। रूस ने अज़रबैजानी और अर्मेनियाई प्रतिनिधियों के साथ स्थिति को स्थिर करने के लिए उपाय करने की कसम खाई थी।

अज़रबैजान ने संघर्ष के लिए आर्मेनिया को दोषी ठहराया है। अजरबैजान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, कराबाख सैनिकों ने लाचिन जिले में हमले में अपने एक सैनिक को मार डाला। बाद में, अजरबैजानी सेना ने दावा किया कि जवाबी कार्रवाई में, उसने इस क्षेत्र पर कब्जा कर लिया हैहालांकि, गैर-मान्यता प्राप्त नागोर्नो-कराबाख गणराज्य की सेना ने अजरबैजान पर युद्धविराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया, जिसमें उसके दो सैनिकों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए है।

अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने पति विराट कोहली के साथ अपना बैंड शुरु किया

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड और क्रिकेट के मैदान पर धमाल मचाने के बाद अभिनेत्री अनुष्का शर्मा और उनके पति विराट कोहली अपना बैंड शुरू करने को तैयार हैं। अनुष्का ने विराट संग फोटो शेयर कर इसकी घोषणा की है। उनका कहना है कि वह हमेशा से एक क्यूट लड़के के साथ बैंड बनाना चाहती थीं। अनुष्का शर्मा इन दिनों काफी मस्तीभरे मूड में चल रही हैं। ऐसा कोई मौका नहीं होता जब वह अपने पति विराट कोहली के साथ समय बिताना पसंद नहीं करतीं। दोनों ही काफी मजाकिया इंसान हैं। इसके बाद विराट और अनुष्का का फनी और क्रेजी अंदाज फैंस को खूब पसंद आता है। अब अनुष्का ने इंस्टाग्राम पर विराट कोहली के साथ कुछ फोटोज शेयर किए हैं।

फोटोज में विराट और अनुष्का ब्लू कलर के आउटफिट्स में ट्विन करते हुए कूल और फनी पीजे देते नजर आ रहे हैं। दोनों की खुशी और मस्ती देखने लायक है। इन फोटोज के कैप्शन में अनुष्का ने लिखा, मैं हमेशा से एक क्यूट लड़के के साथ बैंड शुरू करना चाहती थी। जाहिर है उनकी जिंदगी का क्यूट लड़का कोई और नहीं बल्कि विराट ही है। कपल के फोटोज को देखकर उनके फैंस को भी मजा आ गया है।

पेट्रोल और डीजल की कीमत 5 रुपए तक हो सकती है कम

नई दिल्ली (ईएमएस)। जल्द ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों में ?गिरावट आ सकती है। ब्रेंट क्रूड ऑयल का भाव 96 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। जानकारों का मानना है कि इस भाव की ही वजह से पेट्रोल और डीजल की कीमत में भी 5 रुपए तक की गिरावट आ सकती है। वै?श्विक बाजार में क्रूड ऑयल के दाम 100 डॉलर प्रति बैरल से भी नीचे पहुंच गए हैं। ब्रेंट क्रूड ऑयल का भाव 96 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। डब्ल्यूटीआई का भाव 90 डॉलर प्रति बैरल है। लगभग 15 दिनों में डब्ल्यूटीआई के दाम में करीब 12 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है। ब्रेंट क्रूड ऑयल के दाम भी 5 दिनों में 15 डॉलर प्रति बैरल से भी ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है। जानकारों के अनुसार ओपेक के ऑयल प्रोडक्शन बढ़ाने के बयान के बाद यह गिरावट दर्ज की गई है। जिस तरह से क्रूड ऑयल के दाम गिर रहे हैं, उससे आने वाले दिनों में भारत में पेट्रोल और डीजल के दाम में गिरावट दर्ज की जा सकती है। दो महीनों में पेट्रोल और डीजल 5 रुपये तक सस्ता हो सकता है।

ऑस्ट्रेलियाई छात्रों से बोले यूक्रेनी राष्ट्रपति, चीन को रूस की नहीं करनी चाहिए मदद

कैनबरा (ईएमएस)। युद्धग्रस्त देश यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालय के छात्रों से कहा कि चीन को उनके देश के खिलाफ युद्ध में रूस की मदद नहीं करनी चाहिए और कम से कम तटस्थ रहना चाहिए। जेलेंस्की ने कैनबरा में ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन चर्चा में 21 ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों को संबोधित किया। एक छात्र द्वारा चीन के रुख के बारे में पूछे जाने पर, जेलेंस्की ने कहा कि वह चाहेंगे कि बीजिंग, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया सहित उन देशों में शामिल हो, जिन्होंने फरवरी में शुरू हुए रूसी आक्रमण की निंदा की है।

जेलेंस्की ने यूक्रेन के एक दुभाषिये की मदद से कहा, 'वर्तमान में, चीन संतुलन बना रहा है और वास्तव में तटस्थ रवैया अपना रहा है और मैं ईमानदारी से कहूंगा कि यह तटस्थता चीन के रूस के साथ शामिल होने से बेहतर है।' उन्होंने कहा, 'यह हमारे लिए महत्वपूर्ण है कि चीन रूस की मदद नहीं करेगा।'

चीन ने यूक्रेन में रूस के युद्ध की आलोचना करने या यहां तक कि इसे एक आक्रमण के तौर पर उल्लेखित करने से इनकार कर दिया है। साथ ही उसने रूस के खिलाफ अमेरिकी एवं अन्य देशों की ओर से लगाये गए प्रतिबंधों की निंदा की है और पश्चिमी देशों पर मास्को को उकसाने का आरोप लगाया है। जेलेंस्की ने इसी तरह के ऑनलाइन विश्वविद्यालय मंचों को कनाडा में जून में और जापान में पिछले महीने संबोधित किया था। उन्होंने नाटो के बाहर किसी अन्य देश की तुलना में यूक्रेन को अधिक समर्थन प्रदान करने के लिए ऑस्ट्रेलियाई सरकार को धन्यवाद दिया।

आतंकवाद पर विशेष बैठक में संरा सुरक्षा परिषद के सदस्यों की मेजबानी करेगा भारत

जिनेवा (ईएमएस)। भारत आतंकवाद के खिलाफ 29 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 देशों के राजनयिकों की एक विशेष बैठक की मेजबानी करेगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत का अस्थायी सदस्य के रूप में दो साल का कार्यकाल इस साल दिसंबर में समाप्त होने वाला है। दिसंबर में देश संयुक्त राष्ट्र की इस शक्तिशाली निकाय की अध्यक्षता भी करेगा। भारत 2022 के लिए सुरक्षा परिषद की आतंकवाद रोधी समिति की अध्यक्षता करेगा और आतंकवाद के खिलाफ अक्टूबर में अमेरिका, चीन और रूस सहित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 देशों के राजनयिकों की एक विशेष बैठक की मेजबानी करेगा। सुरक्षा परिषद के वर्तमान सदस्यों में अल्बानिया, ब्राजील, गैबॉन, घाना, भारत, आयरलैंड, केन्या, मैक्सिको, नॉर्वे और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ-साथ पांच स्थायी सदस्य चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार ?कि नई और उभरती प्रौद्योगिकियों के दुरुपयोग से उत्पन्न खतरे को ध्यान में रखते हुए, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद रोधी समिति (सीटीसी) ने इस विषय पर 29 अक्टूबर, 2022 को भारत में अपने कार्यकारी निदेशालय (सीटीईडी) के सहयोग से एक विशेष बैठक आयोजित करने का निर्णय किया है। नकारी के अनुसार विशेष बैठक में खासकर तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जहां उभरती हुई प्रौद्योगिकियां का तेजी से विकास हो रहा है। सदस्य देशों द्वारा इनके बढ़ते इस्तेमाल (सुरक्षा और आतंकवाद रोधी उद्देश्यों सहित) और आतंकवादी कृत्यों के लिए इसके इस्तेमाल के बढ़ते खतरे, अर्थात इंटरनेट तथा सोशल मीडिया, आतंकवाद के वित्त पोषण, और मानव रहित हवाई प्रणाली (यूएएस) में इसके इस्तेमाल पर चर्चा की जाएगी।

द.कोरिया के शीर्ष नेताओं से मुलाकात करेंगी नैंसी पेलोसी

सियोल (ईएमएस)। अमेरिकी संसद की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी को द.कोरिया के शीर्ष नेताओं से मुलाकात करेंगी और क्षेत्रीय सुरक्षा, आर्थिक सहयोग तथा जलवायु संबंधी मुद्दों पर चर्चा करेंगी। इसके एक दिन पहले पेलोसी ने चीन के कड़े विरोध के बावजूद ताइवान की यात्रा की थी, जो इस स्वशासित द्वीप पर लोकतंत्र की रक्षा के लिए अमेरिका की ''अडिग'' प्रतिबद्धता को दिखाता है। पेलोसी कांग्रेस के अन्य सदस्यों के साथ दक्षिण कोरिया पहुंचीं। इससे पहले उन्होंने सिंगापुर, मलेशिया और ताइवान की यात्रा की। दक्षिण कोरिया के बाद वह जापान जाएंगी।

पेलोसी दक्षिण कोरियाई नेशनल असेंबली के अध्यक्ष किम जिन प्यो तथा संसद के अन्य वरिष्ठ सदस्यों से मुलाकात करेंगी और क्षेत्रीय सुरक्षा, आर्थिक सहयोग तथा जलवायु संबंधी मुद्दों पर बातचीत करेंगी। किम के कार्यालय ने इसकी जानकारी दी। दक्षिण कोरिया के एक अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि पेलोसी की अंतर-कोरियाई सीमा क्षेत्र की यात्रा करने की भी योजना है, जिस पर अमेरिका नीत संयुक्त राष्ट्र कमान और उत्तर कोरिया का नियंत्रण है।

वाहनों की बिक्री जुलाई में आठ प्रतिशत घटीः फाडा

नई दिल्ली (ईएमएस)। यात्री वाहनों और दोपहिया वाहनों और ट्रेक्टरों के पंजीकरण में कमी आने से जुलाई में वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर आठ प्रतिशत घट गई। ऑटो डीलरों के निकाय फाडा ने यह जानकारी दी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के आंकड़ों के अनुसार पिछले महीने वाहनों की कुल खुदरा बिक्री 14,36,927 इकाई रही जो जुलाई 2021 में 15,59,106 इकाई थी। यात्री वाहनों (पीवी) की खुदरा बिक्री जुलाई 2022 में सालाना आधार पर 5 प्रतिशत गिरकर 2,50,972 इकाई रही, जबकि जुलाई 2021 में यह आंकड़ा 2,63,238 इकाई था। फाडा ने कहा ?कि जुलाई में बिक्री आंकड़े भले घटे हों लेकिन वाहनों के नए-नए मॉडल बाजार में उतारे जा रहे हैं विशेषकर कॉम्पैक्ट एसयूवी श्रेणी में जिससे वृद्धि में मदद मिल रही है। फाडा के आंकड़ों के मुताबिक पिछले महीने दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 11 प्रतिशत घटकर 10,09,574 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले की इस अवधि में यह 11,33,344 इकाई थी। जुलाई 2022 में 59,573 ट्रेक्टर बिके जो जुलाई 2021 की 82,419 इकाई से 28 फीसदी कम है। हालांकि तिपहिया और वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री पिछले महीने सालाना आधार पर बढ़ी है। पिछले महीने 50,349 तिपहिया वाहन बिके जो पिछले साल की तुलना में 80 फीसदी अधिक है। इसी तरह वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 27 फीसदी की वृद्धि के साथ 66,459 इकाई रही।

स्वीडन और फिनलैंड की नाटो सदस्यता के प्रस्ताव के पक्ष में अमेरिकी संसद में 95 वोट पड़े

वॉशिंगटन (ईएमएस)। रूस द्वारा यूक्रेन पर जारी हमलों के बीच अमेरिकी संसद में सीनेट द्वारा नाटो में स्वीडन और फिनलैंड के लिए सदस्यता प्रस्ताव की पुष्टि कर दी है इसके लिए मतदान और बहस की प्रक्रिया पूरी की गई। यह पश्चिम सैन्य गठबंधन के विस्तार में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मतदान प्रक्रिया के दौरान बुधवार को 95 वोट पक्ष में दिये गए जबकि एक वोट प्रस्ताव के खिलाफ दिया गया। वोटिंग प्रक्रिया को दिखाने के लिए सीनेट के बहुमत के नेता चक शूमर ने दोनों देशों के राजदूतों को चैंबर गैलरी में आमंत्रित किया। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, जिन्होंने वैश्विक स्तर पर यूक्रेन के लिए आर्थिक मदद करने में मुख्य भूमिका निभाया, उन्होंने स्वीडन और फिनलैंड को नाटो ग्रुप में जल्द से जल्द शामिल कराने की मांग की है।

बता दें कि राष्ट्रपति जो बाइडेन ने जुलाई में अमेरिकी सीनेट की मंजूरी के लिए प्रोटोकॉल भेजा, जिससे मतदान प्रक्रिया का रास्ता साफ हुआ और इसे सफल होने के लिए सीनेट के दो-तिहाई सदस्यों द्वारा पास करने की आवश्यकता थी। स्वीडन और फिनलैंड के नाटो ग्रुप में शामिल होने के लिए डाले गए सीनेट वोट की अंतिम संख्या 95 से 1 थी, जिसमें मिसौरी के जीओपी सेन जोश हॉले ने प्रस्ताव के विपक्ष में मतदान किया। सीनेट एमी क्लोबुचारी ने कहा कि इस पूरे मतदान प्रक्रिया के तहत रूस को एक कड़ा संदेश देने की कोशिश की गई है। यह दुनिया भर के अत्याचारियों के लिए एक चेतावनी है, जो यह मानते हैं कि लोकतंत्र को कब्जे में किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि बिना किसी वजह के रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण ने विश्व सुरक्षा के बारे में हमारे सोचने के तरीके को बदल दिया है।

ज्ञात हो कि बाइडेन ने स्वीडन और फिनलैंड को नाटो में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया और मई में व्हाइट हाउस में दोनों देशों के सरकारी प्रमुखों से मुलाकात की थी। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के नए सदस्य बनाने के लिए होने वाली ऐतिहासिक बहस और मतदान का गवाह बनने के लिए सीनेट ने देशों के राजदूतों को आमंत्रित किया था। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने दो पूर्व गैर सैन्य उत्तरी यूरोपीय साझेदारों को सैन्य गठबंधन में शामिल करने को मंजूरी देने और इसकी द्विदलीय कांग्रेस में पुष्टि की प्रक्रिया को तेज करने का आह्वान किया है।

कड़ी पाबंदियों के बाद भी स्पेस में सैटेलाइट भेज रहा है ईरान, रूस बन रहा मददगार

मास्को (ईएमएस)। परमाणु समझौता रद्द होने के बाद कड़ी पाबंदियों के बीच ईरान का मददगार बनकर रूस सहयोग कर रहा है। रूस की स्पेस एजेंसी रोसकॉस्मोस अगले हफ्ते ईरान की एक सैटेलाइट लांच करने जा रही है। रोस्कोस्मोस अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि अंतरिक्ष यान, 'खय्याम' नामक एक रिमोट सेंसिंग उपग्रह 9 अगस्त को पड़ोसी देश कजाकिस्तान के बैकोनूर कोस्मोड्रोम से सोयुज-2.1 बी रॉकेट द्वारा कक्षा में भेजा जाएगा। रूस ने दक्षिणी कजाकिस्तान में एक स्पेसपोर्ट को लीज पर लिया है। खबर के अनुसार ईरान के इस अर्थ ऑब्जर्वेशन उपग्रह का नाम प्रसिद्ध फ़ारसी पॉलीमैथ उमर खय्याम के नाम पर रखा गया है, जो गणित, खगोल विज्ञान, दर्शन और कविता के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए विश्व स्तर पर जाने जाते हैं। यह सैटेलाइट कथित तौर पर ईरान की कृषि उत्पादकता में सुधार, जल संसाधनों की बेहतर निगरानी, प्राकृतिक आपदाओं, निर्माणाधीन विकास परियोजनाओं की निगरानी और देश की सीमाओं पर कड़ी नजर भी रखेगा।

अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद ईरान ने बीते कुछ वर्षों में प्रौद्योगिकी विज्ञान के क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है। इस साल की शुरुआत में, ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स की एयरोस्पेस फोर्स ने अपने पहले सैन्य उपग्रह के लॉन्च के लगभग दो साल बाद, अपने दूसरे उपग्रह नूर-2 को लोअर अर्थ ऑर्बिट (लियो) में लॉन्च किया था। ईरानी वैज्ञानिकों के अनुसार नूर-2 उपग्रह से ईरान में कई सैन्य और नागरिक मिशनों को अंजाम देने में सहायता हासिल होगी।

आग लगाने की घटनाओं के बावजूद देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में जबर्दस्त बढ़ोत्तरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों का असर वाहनों की बिक्री पर देखने को मिल रहा है। परंपरागत ईंधन का विकल्प इलेक्ट्रिक वाहन के रूप में सामने आने के बाद पिछले कुछ दिनों में देश में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की मांग में जबर्दस्त बढ़ोत्तरी हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में ईवी की बिक्री के ये आंकड़े सीईईडब्ल्यू-सेंटर फॉर एनर्जी फाइनेंस (सीईईडब्ल्यू-सीईएफ) मार्केट हैंडबुक के जारी नए संस्करण में सामने आए हैं, जो चौंकाने वाले हैं।

इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री के मामले में, मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ईवी की बिक्री, पिछले वित्त वर्ष में कुल बिके ईवी के लगभग आधे हिस्से तक पहुंच गई। दोपहिया और तिपहिया (ई-रिक्शा सहित) वाहनों की कुल बिक्री में, बैटरीचालित दोपहिया वाहनों का हिस्सा 3.7 फीसदी और तिपहिया वाहनों का हिस्सा 54.9 प्रतिशत रहा। इस तिमाही में ईवी की सुरक्षा के बारे में बढ़ती चिंताओं के बीच, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने उपभोक्ता सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ईवी बैटरी के प्रदर्शन मानकों को जारी किया है। इसके अलावा, नीति आयोग ने अग्रिम लागत घटाने और कम जगह में ईवी चार्जिंग के लिए बैटरी स्वैपिंग पॉलिसी का मसौदा जारी किया। इन उपायों से ग्राहकों को सभी श्रेणी में ज्यादा से ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

रिपोर्ट बताती हैं कि आग लगने की विभिन्न घटनाओं के बावजूद, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री पिछले वर्ष की सामान तिमाही की तुलना में 636 प्रतिशत बढ़कर 2 लाख यूनिट से थोड़ा ऊपर पहुंच गई। ईवी की बिक्री में 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इस तिमाही में बिक्री होने वाले कुल नए वाहनों में ईवी की हिस्सेदारी बढ़कर 4.35 प्रतिश हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में एक प्रतिशत से भी कम थी।

अल जवाहिरी की मौत के बाद अपहरण, हाईजैकिंग और आत्मघाती हमले की आशंका बरकरार

वॉशिंगटन (ईएमएस)। खूंखार आतंकी संगठन अलकायदा मुखिया अयमान अल जवाहिरी का अमेरिका खात्मा तो कर दिया पर खतरा अभी टला नहीं है। जवाहिरी के खात्मे के बाद अलकायदा के समर्थक या इससे जुड़े आतंकी संगठन अमेरिकी सेवाओं या नागरिकों को निशाना बना सकते हैं। इसलिए अमेरिकी नागरिकों से अपील की है कि वो विदेश यात्रा के दौरान सतर्क रहें और अपने आसपास के हालात का जायजा लेते रहें। अमेरिका ने कहा कि अलकायदा समर्थित आतंकी 'आत्मघाती, हत्या, अपहरण, प्लेन हाईजैक और बम विस्फोटों' सहित कई तरह के हथकंडे अपना सकते हैं।' मंगलवार को अल जवाहिरी काबुल में हुए अमेरिकी ड्रोन हमले में मारा गया था।

एक रिपोर्ट के अनुसार, यूएस ने अल जवाहिरी की मौत के बाद चेतावनी देते हुए कहा कि, अलकायदा प्रमुख जवाहिरी 11 सितंबर 2001 में अमेरिका पर हुए हमले में शामिल था और लगातार अपने समर्थकों से अमेरिका पर हमले करने को कहता रहता था। इसलिए उसकी मौत के बाद उसके समर्थक अमेरिकी सेवाओं या अमेरिकी नागरिकों को निशाना बना सकते हैं। पाकिस्तान के एबटाबाद में हुए अमेरिकी ऑपरेशन में ओसामा बिन लादेन की मौत के बाद अल जवाहिरी ने अलकायदा की कमान अपने हाथों में ले ली थी। 2011 में वह अलकायदा का प्रमुख बन गया था। दुनिया के कई हिस्सों में हुए आतंकी हमलों के लिए उसे जिम्मेदार माना जाता रहा।

वहीं भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने भी माना कि अल जवाहिरी की मौत के बाद इसका सीधा असर भारत में अलकायदा समर्थकों और कैडर के मनोबल पर होगा। सूत्रों ने न्यूज़18 से कहा कि हाल ही में वे प्रोपेगेंडा कैंपेन करके भारत में अल कायदा की संगठनात्मक मशीनरी को दोबारा जिंदा करने की कोशिश कर रहे थे। अलकायदा के मुखिया के खात्मे से अलकायदा के क्षेत्रीय सहयोगी एक्यूआईएस, एक्यूबीडी, एएआई की गतिविधियों पर भी असर होगा। सूत्रों ने कहा कि भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है कि अब भारत में अलकायदा कैडर आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट और उसके क्षेत्रीय सहयोगी आईएसकेपी के प्रति झुकाव दिखा सकते हैं

मुख्यमंत्री ने सूरत से राज्यव्यापी 'हर घर तिरंगा' अभियान का शुभारंभ कराया

- राज्य के 8 महानगर पालिका में 12 अगस्त तक आयोजित होगी 'तिरंगा पदयात्रा'

- भूपेन्म पटेल सूरत में 'तिरंगा पदयात्रा' नगरजनों के साथ पैदल चल कर सहभागी हुए

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के 8 महानगर पालिका क्षेत्रों में 4 से 12 अगस्त के दौरान आयोजित होने वाली राज्यव्यापी 'तिरंगा पदयात्रा' का गुरुवार को सूरत महानगर से शुभारंभ कराते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि देश की एकता, अखंडता एवं 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के प्रतीक तिरंगे को देश के सभी घरों में फहराने के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान को स्वीकार करते हुए राज्य सरकार राज्य के एक करोड़ घरों पर तिरंगा फहराने को संकल्पबद्ध है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सूरत महानगर पालिका द्वारा राष्ट्र भावना के साथ मनाए जा रहे स्वतंत्रता के 75 वर्ष के अवसर पर 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत पिपलोद में आयोजित 'तिरंगा पदयात्रा' को प्रस्थान कराया और साथ ही इस पदयात्रा में नगरजनों के पैदल चल कर सहभागी भी हुए। लालभाई कॉण्ट्रैक्टर क्रिकेट स्टेडियम से कारगिल चौक तक दो किलोमीटर की इस तिरंगा यात्रा के रूट पर नगरजनों ने मुख्यमंत्री और महानुभावों का तिरंगा लहरा कर हर्षनाद के साथ अभिवादन किया। मुख्यमंत्री ने भी तिरंगा लहरा कर नगरजनों का अभिवादन स्वीकार किया। इससे पहले मुख्यमंत्री सहित महानुभावों, पदाधिकारियों ने यहाँ लगाए गए विभिन्न तिरंगा वितरण बूथ पर जाकर डिजिटल पेमेंट कर तिरंगा ख़रीदा। इसके बाद शुरू हुई पदयात्रा के रूट पर राज्य के सांस्कृतिक समूहों, स्कूलों के विद्यार्थियों-युवाओं ने परम्परागत सांस्कृतिक परिधान में देश भक्ति की रंगारंग कृतियाँ प्रस्तुत कीं और 'तिरंग पदयात्रा' में शामिल पदयात्रियों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। यात्रा के दौरान मिनी भारत समान सूरत में बसे विभिन्न राज्यों के सांस्कृतिक समूह तथा उनकी नृत्य प्रस्तुतियाँ आकर्षण का केन्द्र बने। मुख्यमंत्री ने लालभाई कॉण्ट्रैक्टर स्टेडियम में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जब स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर समग्र देश आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, तब राज्य के हर नागरिक में राष्ट्र भावना जगाने में सूरत की यह तिरंगा पदयात्रा प्रेरणादायी बनेगी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अपेक्षा व्यक्त की कि प्रत्येक राज्य के सभी नागरिक घर पर तिरंगा फहराएँ और राष्ट्र भावना के इस यज्ञ में उत्साहपूर्वक जुड़ कर माँ भारती का गौरव बढ़ाएँ। उन्होंने सूरतवासियों के उत्साह की प्रशंसा करते हुए कहा कि खान-पान तथा स्पष्टवादिता के लिए विख्यात मौज़ीले सूरती राष्ट्र भक्ति में भी अग्रसर हैं। उन्होंने आकांक्षा व्यक्त की कि सूरती घर-घर तिरंगा फहरा कर राष्ट्र चेतना की इस पहल में योगदान दें। उन्होंने तिरंगा यात्रा के सुदृढ़ आयोजन के लिए सूरत महानगर पालिका के सूत्रधारों को अभिनंदन दिया।

इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने प्रासंगिक संबोधन में सूरतवासियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सूरतियों ने तिरंगा यात्रा के माध्यम से देश के कोने-कोने में राष्ट्रवाद का संदेश पहुँचाने का दायित्व उठाया है। सूरत के युवाओं-बच्चों का अपनी पॉकेट मनी से तिरंगा झंडा ख़रीद कर यात्रा में शामिल होना सराहनीय है। संघवी ने कहा कि स्वतंत्रता के 75 वर्ष की पूर्णता के अवसर पर देशवासियों में पुनः एक बार एकता एवं राष्ट्र भावना की लहर जागी है। उन्होंने तिरंगा भेंट करने के स्थान पर स्व-बचत से राष्ट्र ध्वज ख़रीदने का बलपूर्वक आग्रह किया।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व सांसद सी. आर. पाटिल ने सूरतवासियों के देश भक्ति के उत्साह का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हज़ारों युवाओं, क्रांतिकारियों, स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के प्रताप से आज देशवासी मुक्त रूप से राष्ट्र ध्वज फहरा सकते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के 1 करोड़ घरों पर तिरंगा फहराने के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के संकल्प को हम सभी साथ मिल कर पूर्ण करेंगे। पाटिल ने कहा कि ऐसे में जबकि राष्ट्र ध्वज की आचार संहिता में सुगम परिवर्तन कर केन्द्र सरकार ने किसी भी स्थान पर दिन-रात में राष्ट्र ध्वज फहराने की स्वतंत्रता दी है, तबउन्होंने लोगों से प्रधानमंत्री की 'हर घर तिरंगा' की पहल के अंतर्गत स्वयं तिरंगा ख़रीदने एवं इस अभियान में उत्साह से जुड़ने का अनुरोध किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 'हर घर तिरंगा' का थीम सॉन्ग लॉन्च किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री सहित उपस्थित सभी ने घर-घर तिरगा के ध्येय के साथ 13 से 15 अगस्त के दौरान तिरंगे को मान-सम्मान के साथ फहराने का सामूहिक शपथ ग्रहण किया। पदयात्रा में विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी, शिक्षक, स्पोर्ट्स ग्रुप तथा एसोसिएशन, खिलाड़ी, सांस्कृतिक, सामाजिक व धार्मिक संगठन, परफ़ॉर्मिंग आर्ट्स संस्थाएँ, डायमंड व टेक्सटाइल एसोसिएशन, फ़ोस्टा, क्रेडाई, एनसीसी, एनएसएस, नेहरू युवा केन्द्र, हज़ीरा स्थित ओएनजीसी, कृभको, अदाणी, रिलायंस, एएमएनएस जैसे औद्योगिक समूहों व विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, राष्ट्रप्रेमी नागरिक देश भक्ति से पूर्ण वातावरण में उत्साह के साथ तिरंगा पदयात्रा में शामिल हुए। अन्य राज्यों के संगठन;विशेषकर ओडीशा, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल आदि के नागरिक तथा उनके सांस्कृतिक समूह भी जुड़े।

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय अहमदाबाद में तिरंगा वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ

अहमदाबाद (ईएमएस) आजादी की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है जिसमें सभी को अपने घर पर तिरंगा फहराना है। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय अहमदाबाद में मंडल रेल प्रबंधक तरुण जैन ने 04.08.2022 को सभी शाखाधिकारियों की उपस्थिति में तिरंगा वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अभियान के अंतर्गत पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल द्वारा 16500 तिरंगों का वितरण का किया जायेगा। हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए अहमदाबाद मंडल द्वारा अपने अपने स्तर पर तैयारियों की जा रही है। इसके तहत कर्मचारियों एवं अधिकारियों को लगभग 16500 तिरंगे का वितरण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसमें मंडल के सभी विभागों, उत्पादन इकाइयों, यूनिटों आदि को शामिल किया गया है।

अदानी ने सीएनजी की कीमत में १.४९ रुपये की गई वृद्धि

देश में बढ़ रही महंगाई ने जनता की कमरतोड़ दी : पेट्रोल-डीजल, रोसाई गैस, सब्जी, खानेपीने की वस्तु की कीमत में लगातार वृद्धि हो रही है

अहमदाबाद, ४ अगस्त ।

आम जनता को फिर से महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को अदानी द्वारा पीएनजी गैस वृद्धि करने के बाद अब सीएनजी की कीमत में वृद्धि हुई है। अहमदाबादियों पर सीएनजी की कीमत में १.४९ रुपये की वृद्धि की गई है। छ्ह्ल की प्रतिकिलो कीमत अब ८७.३८ रुपया हो गया है । पहले छ्ह्ल की प्रतिकिलो कीमत ८५.८९ रुपये था। अदानी ने सीएनजी की कीमत प्रतिकिलो १.४९ रुपये बढ़ा दी है । हालांकि, यह कीमतवृद्धि वाहनचालकों को भारी पड़ेगी। रिक्शा चालक पहले से ही गैस में बढ़ी हुई कीमत से परेशान है। ऐसे में कीमत वृद्धि उनके बजट को बिगाड़ देगा । यहां उल्लेखनीय है कि मंगलवार को सीएनजी गैस में १.९९ रुपये की वृद्धि की थी । देश में लगातार बढ़ रही महंगाई ने जनता की कमरतोड़ दी है। पेट्रोल-डीजल, रोसाई गैस, सब्जी, खानेपीने की वस्तु की कीमत में लगातार वृद्धि हो रही है। महंगाई से जनता परेशान है। जीवन जरूरत की प्रत्येक वस्तुओं की कीमत भी आसमान छू रही है । अब अदानी ने गैस की कीमत बढ़ा दी है। लंबे समय से पेट्रोल-डीजल और एलपीजी ग्राहकों को महंगाई की मार पड़ना शुरू हो गया है । पेट्रोल तथा डीजल पर अब महंगाई का मार पड़ना शुरू हो गया है। इसके पहले ही सीएनजी की कीमत बढ़ने की शुरूआत हो गई है। देश में पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव पूरा हुआ तब से चुनाव के परिणाम के बाद इसकी असर कीमत पर पड़ने लगी है। कीमतों में वृद्धि वैश्विक स्तर पर तेल की ज्यादा कीमत बोली जा रही है । दूसरी तरफ, सीएनजी की कीमत भी बढ़ गई है, ऐसे में इतना तो स्पष्ट है कि, आगामी दिनों में पेट्रोल-डीजल की कीमत में तेजी देखने को मिल सकती है । गुजरात में आज से अदानी ने सीएनजी में नई कीमत वृद्धि लागू की है। रिक्शाचालकों ने कीमत वृद्धि के खिलाफ दुःख व्यक्त किया है और उनका कहना है कि जो लोग रिक्शा और सीएनजी वाहन के उपयोग से ट्रांसपोर्टेशन का काम करते है उनकी हालत बदतर हो गई है । एक तरफ ग्राहक ज्यादा किराया देने से मना कर रहेहै ऐसे में हमारे महंगी सीएनजी भराने के बाद कमाई करने में हालत खराब हो रही है। ऐसे में फिर एक बार मिनिमम किराये में वृद्धि करने की मांग सीएनजी रिक्शाचालकों द्वारा किया जा सकता है। रिक्शाचालकों ने बैटरीवाला वाहनों को प्रोत्साहन देने के लिए सीएनजी की कीमत में वृद्धि किए जा रहे होने का आरोप भी लगाया गया है । रिक्शाचालक कहते है कि पहले प्रदूषण की वजह से पेट्रोल से चलती रिक्शा बंद की गई अब बैटरीवाला वाहनों को प्रोत्साहन देने के लिए सीएनजी की कीमत में वृद्धि की जा रही है ।

केजरीवार का ट्वीट- गुजरात में भाजपा अमित शाह को मुख्यमंत्री का चेहरा बना सकती है

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात विधानसभा चुनाव में इस बार त्रिकोणीय मुकाबला होना तय हैं भाजपा और कांग्रेस के अलावा अबकी बार आम आदमी पार्टी (आप) भी मैदान में हैं दिल्ली और पंजाब में मिली सफलता से गदगद आप गुजरात फतह करने में कोई कसर छोड़ना नहीं चाहर्ती एक महीने के भीतर दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल चार बार गुजरात दौरा कर मुफ्त बिजली और रोजगार को लेकर बड़ा ऐलान कर चुके हैं गुजरात चुनाव निकट आते ही राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई हैं सभी जानना चाहते हैं कि राजनीतिक दल किसे अपना मुख्यमंत्री बनाएंगे? इन सबके बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के ट्वीट से गुजरात की राजनीति गरमा गई केजरीवाल ने ट्वीट में कहा - 'आप' गुजरात में तेजी से बढ़ रही हैं भाजपा बुरी तरह बौखलाई हुई हैं क्या ये सच है कि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा गुजरात में अमित शाह जी को सीएम चेहरा घोषित करने जा रही है? भूपेन्द्रभाई पटेल के काम से क्या भाजपा भी नाराज है? केजरीवाल के इस ट्वीट के बाद गुजरात की राजनीति गरमा गई हैं गुजरात आप ने भी भाजपा के सीएम चेहरे को लेकर सवाल किया हैं जिसके जवाब में भाजपा ने कहा कि वह आप को उसके सवाल का जवाब देने के लिए बाध्य नहीं हैं

फिर गुजरात पहुंची मेघा की सवारी, अगले पांच दिन राज्य में भारी बारिश की संभावना

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में फिर एक बार मेघा की सवार पहुंच गई हैं आगामी पांच दिन राज्य में खासकर दक्षिण गुजरात में भारी बारिश होने की संभावना हैं दक्षिण गुजरात के अलावा सौराष्ट्र के कई हिस्सों में भारी बारिश हो सकती हैं वहीं अहमदाबाद समेत मध्य गुजरात में मध्यम बारिश होने की संभावना हैं मौसम विभाग के मुताबिक अगस्त महीने के दौरान राज्य में अच्छी बारिश होर्गी आगामी 8 से 10 अगस्त के दौरान मूशलाधार बारिश की संभावना हैं बुधवार को अहमदाबाद समेत राज्य में फिर एक बार मेघा सक्रिय हो गया हैं अहमदाबाद में बुधवार की रात के बाद आज भी बारिश हो रही हैं पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य की 88 तहसीलों में बारिश हुई हैं जिसमें अमरेली के वडिया में 2.5 ईंच, बगसरा में 2 ईंच, अरवल्ली के धनसुरा में 2.5 ईंच, भरुच के नेत्रंग में 1.5 ईंच, गांधीनगर के दहेगाम में 1.5 ईंच, तापी जिले की उच्छल तहसील में 1.5 ईंच बारिश होने की खबर हैं बता दें कि राज्य में अब तक मौसम की 71 प्रतिशत बारिश हो चुकी हैं जिसमें सबसे अधिक कच्छ में 118 प्रतिशत बारिश हुई हैं जबकि दक्षिण गुजरात में 83 प्रतिशत मौसम की बारिश हुई हैं दूसरी ओर मौसम के जानकार अंबालाल पटेल ने 6 अगस्त तक मध्य गुजरात में भारी से अतिभारी बारिश की संभावना व्यक्त की हैं पटेल के मुताबिक राज्य के कुछ क्षेत्रों में 6 ईंच से भी अधिक बारिश हो सकती हैं तापी और नर्मदा नदी के जलस्तर में वृद्धि होर्गी अंबालाल के मुताबिक आगामी 10 अगस्त तक दक्षिण गुजरात में अतिभारी बारिश होर्गी जबकि दक्षिण सौराष्ट्र के हिस्सों में भारी से अतिभारी बारिश की संभावना हैं

वेबसाइट पर www.gseb.org पर जारी किया गया

कक्षा-१२ की पूरक परीक्षा का परिणाम अंत में घोषित किया गया

अहमदाबाद, ४ अगस्त ।

गुजरात माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, गांधीनगर द्वारा कक्षा-१२ सामान्य प्रवाह और विज्ञान प्रवाह की जुलाई २०२२ में ली गई व्यवसायलक्षी प्रवाह, उ.उ. बुनियादी प्रवाह तथा संस्कृत माध्यम की पूरक परीक्षा का परिणाम आज बोर्ड की ऑफिशियल वेबसाइट पर ख्ख्ख्.द्दह्यद्ढ़.र्दृद्द पर जारी किया गया है । परिणाम मामले में शिक्षा मंत्री जीतू वाघाणी ने ट्वीट करके जानकारी दी थी कि कक्षा-१२ विज्ञान प्रवाह और सामान्य प्रवाह की जुलाई पूरक २०२२ की परीक्षा का परिणाम ४ अगस्त २०२२ को सुबह में आठ बजे जारी किया जाएगा। जुलाई महीने में ली गई विज्ञान प्रवाह की पूरक परीक्षा के लिए १४,०३९ विद्यार्थी दर्ज किए गए थे, जिसमें से १२,२५० विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी, जबकि सामान्य प्रवाह की पूरक परीक्षा के लिए ४१,१६७ विद्यार्थी रजिस्टर्ड हुए थे । जिसमें से ३७,४५७ विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी । जिसमें से विज्ञान प्रवाह में ३५८८ विद्यार्थी पूरक परीक्षा में पास हुए हैं और विज्ञान प्रवाह का परिणाम २९.२९ फीसदी आया है । जबकि सामान्य प्रवाह में २३,४९४ विद्यार्थी पूरक परीक्षा में पास हुए है और सामान्य प्रवाह का परिणाम ६२.७२ फीसदी आया है । विद्यार्थी बोर्ड ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर अपने परिणाम परीक्षा का सीट नंबर एंटर करके ले सकते हैं। विद्यार्थियों की मार्कशीट, प्रमाणपत्र और एसआर स्कूलवाइज भेजने के लिए अब बाद में जानकारी दी जाएगी। अन्य सूचना स्कूल के लिए परिपत्र रूप में भेजा जाएगा । यहां उल्लेखनीय है कि गुजरात माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा १८ जुलाई को विज्ञान प्रवाह की परीक्षा ली गई थी । इसी तरीके से गुजरात माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा १८ से २० जुलाई के बीच कॉमर्स प्रवाह यानी कि सामान्य प्रवाह की परीक्षा ली गई थी। आपको बता दे कि एक या दो विषय में फेल होने वाले विद्यार्थियों का भविष्य नहीं बिगड़े इस उद्देश्य से पूरक परीक्षा ली जाती है। पूरक परीक्षा में पास हुए विद्यार्थी आगे ज्यादा पढ़ाई के लिए चालू सत्र में कॉलेज आदि में एडमिशन ले सकते है।

अंग्रेजी में मूर्ख हो तो उनको IELTS में ऊंचा बैंड दिलाने की सेटिंग

अहमदाबाद, ४ अगस्त ।

फर्जी तरीके से IELTS परीक्षा देकर अमेरिका और कनाडा गये ९५० गुजराती के केस में नये मामले सामने आ रहे हैं, जैसे एक्टिंग स्कूल चलाई जा रही हो इस तरीके से यह अर्जीकर्ताओं को परीक्षा के लिए तैयार किया जा रहा था । यह अर्जीकर्ताओं को लिप्सिंग और किस तरीके से एक्टिंग करना यह सिखाया जाता था । मेहसाणा पुलिस द्वारा की गई जांच में जानकारी मिली है कि IELTS एक्जाम के स्पोकन इंग्लीश राउन्ड को क्रेक करने के लिए ज्यादा रुपया लिया जाता था, जिसके लिए पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत के राज्यों के लोगों को काम में लगाया गया था । पुलिस अधिकारी ने बताया है कि, जिनका अंग्रेजी बोलने का अच्छा हो वह जिस उम्मीदवार कैमरे के सामने खड़ा हो तो इसके पीछे रहकर अंग्रेजी बोलता था इस दौरान उम्मीदवार टीकटोक का विडियो बनाते हो इस तरीके से कैमरा के सामने सिर्फ होठ ही फफडावते थे।

इस तरीके से स्पीकिंग टेस्ट देने वाले उम्मीदवार का विडियो हो भी इसके पीछे आवाज जो अंग्रेजी बोलने में होशियार है उनकी स्पीच और बातचीत का उपयोग किया जाता था। इसके लिए नकली उम्मीदवार की परीक्षा के लिए अलग से व्यवस्था की जाती थी । इस मामले में पुलिस ने आगे बताया है कि, हमारे पास ऐसे कई केस आये है जिसमें अमेरिका और कनाडा जाने वाले उम्मीदवारों के लिए नकली बनाया गया हो । जिसमें नडियाद, मेहसाणा और वडोदरा में एक-एक केस हुए हैं जिसमें लिखित परीक्षा के लिए नकली उम्मीदवार को उतारा गया हो। ढ्ढश्वरुञ्जस् परीक्षा केंद्र पर से पकड़े नहीं जाए इसके लिए सीसीटीवी कैमरा बंद कर दिया जाता था । पुलिस ने आगे बताया है कि, मानव तस्करी मामले में शुरू की गई जांच में जानकारी मिली है कि ढ्ढश्वरुञ्जस् परीक्षा का आयोजन करते एजेंसी द्वारा १० कर्मचारियों को राणिप के एक अपार्टमेंट में रखा गया था । जिसमें पूर्वोत्तर राज्य की तीन और दक्षिण राज्य की एक महिला शामिल है।

गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी एक्शन मोड में ४ डिप्लोमा/ ५ डिग्री इंजीनियरिंग सहित ९ कॉलेज का नो-एडमिशन जोन में

अहमदाबाद, ४ अगस्त ।

डिग्री डिप्लोमा कॉलेजों में विद्यार्थियों की पढ़ाई मामले में चल रही लापरवाही के खिलाफ गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी एक्शन मोड में आ गई है। जीटीयू द्वारा संलग्न ४३५ कॉलेजों से ऑनलाइन सेल्फ डिस्क्लोजर मंगवाया गया । जिसमें लेबोरेटरी से लेकर अध्यापक-प्रिंसिपल और स्टाफ की कमी रखने वाले कॉलेजों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। ४ डिप्लोमा और ५ डिग्री इंजीनियरिंग सहित कुल ९ कॉलेज को नो-एडमिशन जोन में रखा गया है । जबकि ३८ कॉलेज की विभिन्न संकाय की ४७७५ बैठक में कमी की गई है । क्वॉलिटीयुक्त टेक्निकल शिक्षा के लिए गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी प्रत्येक स्तर पर सही साबित हुई है। जिसकी नींव में जीटीयू द्वारा संलग्न सभी संस्था में किया जाता अकादमिक इंस्पेक्शन जैसे महत्व के परिबल कार्यरत है। हाल में ही जीटीयू द्वारा संलग्न ४३५ कॉलेजों से ऑनलाइन सेल्फ डिस्क्लोजर मंगवाया गया था। जिसकी जांच के बाद २८० संलग्न कॉलेज में शिक्षा क्षेत्र में जुड़े हुए विशेषज्ञों द्वारा इंस्पेक्शन किया गया था । जिसमें से ३८ कॉलेज में संकाय और लेबोरेटरी की कमी और कई संस्था में पिछले ३ वर्ष से डायरेक्टर या प्रिंसिपल की जगह खाली हो इसके सामने नीति-नियम के अनुसार कार्रवाई की गई है। इस मामले में जीटीयू के कुलपति प्रो. डॉ. नवीन शेठ ने बताया है कि, टेक्निकल शिक्षा में कोई भी प्रकार की कमी-उणप नहीं रह जाए इसके लिए जीटीयू और एआईसीटीई के मानदंडों के अनुसार सभी नियमों का सख्ती से पालन कराना जरूरी है। अकादमिक इंस्पेक्शन से शिक्षा की क्वॉलिटी में वृद्धि होगी। जीटीयू द्वारा की गई २८० संस्था के अकादमिक इंस्पेक्शन से कुल ३८ कॉलेज की सीट्स कम की गई है । जिसमें डिग्री इंजीनियरिंग संकाय की १५ कॉलेज की १२९५ सीट्स, डिप्लोमा इंजीनियरिंग की १८ कॉलेज में ३३००, फार्मसी की १ कॉलेज की ६० सीट्स तथा एमबीए और एमसीए की क्रमशः ३ और १ कॉलेज की कुल ६०, ६० सीट्स में कमी की गई है।

अंक्लेश्वर की यूनियन बैंक में दिनदहाडे लूट चलाकर फरार तीन लुटेरों में दो धरे गए

भरुच (ईएमएस) अंक्लेश्वर के पिरामण नाका के निकट स्थित यूनियन बैंक में दिनदहाडे लूट की घटना से सनसनी फैल गई बैंक में घुसे तीन लुटेरों ने फायरिंग की और लूट चलाकर मोटर साइकिल पर फरार भी हो गर्ए खबर मिलते ही हरकत में आई पुलिस ने नाकाबंदी कर दो लुटेरों को दबोच लिर्या जानकारी के मुताबिक भरुच जिले के अंक्लेश्वर में पिरामण नाका के निकट की यूनियन बैंक में दिनदहडे सशस्त्र लुटेरे घुस गर्ए लुटेरों को देख बैंक का स्टाफ डरकर टेबल के नीचे बैठ गर्या खबर मिलते ही हरकत में आई पुलिस ने नाकाबंदी कर दीं पुलिस और लुटेरों के बीच हुई फायरिंग में एक लुटेरा घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं पुलिस ने 22 लाख नकदी के साथ दो लुटेरों को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू कीं

पालनपुर-भुज एक्सप्रेस 6 अगस्त 2022 की जगह 05 अगस्त 2022 से चलेगी

अहमदाबाद (ईएमएस) ट्रेन संख्या 20927 पालनपुर-भुज एक्सप्रेस पालनपुर से 6 अगस्त 2022 की जगह 05 अगस्त 2022 से चलेगी। पूर्व में अधिसूचित किया गया था ट्रेन संख्या 20927 पालनपुर-भुज एक्सप्रेस 06 अगस्त 2022 से पालनपुर से 13:10 बजे चलकर 19:40 बजे भुज पहुंचेगी। इस ट्रेन के परिचालन समय और ठहराव में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

राज्य में कोरोना के 871 नए मरीज, 1031 लोग डिस्चार्ज, भावनगर में एक मौत

अहमदाबाद (ईएमएस) गुरुवार को राज्य में कोरोना के 871 नए मरीज सामने आए हैं, वहीं 1031 लोग ठीक होकर अपने घर लौट गर्ए भावनगर शहर में कोरोना से एक मरीज की कोरोना से मौत हो गई राज्य में कोरोना से स्वस्थ होने का दर 98.63 प्रतिशत हैं दूसरी टीकाकरण अभियान के तहत आज राज्यभर में 522127 लोगों का वैक्सीनेशन किया गर्या कोरोना के नए केसों के साथ राज्य में सक्रिय मरीजों की संख्या 6246 हो गई हैं जिसमें 23 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं और 6223 लोग स्टेबल हैं जबकि 1241363 लोग कोरोना से अब तक स्वस्थ हो चुके हैं और 10972 मरीजों की मौत हो चुकी हैं 24 घंटों में दर्ज कोरोना के नए केसों में सबसे अधिक अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 281 नए मरीज सामने आए हैं वडोदरा कॉर्पोरेशन में 71, मेहसाणा में 44, सूरत में 42, राजकोट कॉर्पोरेशन में 38, गांधीनगर में 36, राजकोट में 35, सूरत कॉर्पोरेशन में 30, अमरेली में 29, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 28, कच्छ में 27, बनासकांठा में 21, नवसारी में 18, पाटण में 18, आणंद में 16, वडोदरा में 14, मोरबी में 13, वलसाड में 13, जामनगर कॉर्पोरेशन में 11, अरवल्ली, पोरबंदर, साबरकांठा में 10-10, सुरेन्द्रनगर में 8, भरुच, भावनगर कॉर्पोरेशन, खेडा, भरुच में 7-7, अहमदाबाद में 6, पंचमहल में 5, देवभूमि द्वारका, गिर सोमनाथ में 4-4, भावनगर में 3, दाहोद में 2, जामनगर, जूनागढ़, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 1-1 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 871 नए केस पिछले 24 घंटों में दर्ज हुर्ए दूसरी ओर टीकाकरण अभियान के तहत आज 18 वर्ष से अधिक आयु के 2342 को पहला और 6873 को पहला डोज दिया गर्या 15 से 17 वर्ष आयु के 105 लोगों को पहला और 1902 को दूसरा टीका लगाया गर्या 60 वर्ष से अधिक आयु के 54107 नागरिकों को प्रीकॉशन डोज दिया गर्या वहीं 12 से 14 वर्षीय आयु के 2129 को पहली और 5473 किशोरी को कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गई इसके अलावा 18 से 59 वर्ष आयु समूह के 449196 लोगों को कोरोना का बूस्टर डोज दिया गर्या राज्य में अब तक 11 करोड़ 78 लाख 64 हजार 307 कोरोना के टीक लग चुके हैं

इस रक्षाबंधन पर बादाम के साथ दें सेहत का तोहफा

भारत, 03 अगस्त, 2022: एक बार फिर त्यौहारों का महीना शुरू हो चुका है, जहां पूरे देशभर में लोग बहुप्रतीक्षित त्यौहार रक्षाबंधन की तैयारियों में जुट जाते हैं। रक्षाबंधन भाई-बहनों के रिश्ते के सम्मान के तौर पर मनाया जाता है। इस त्यौकहार पर भाई-बहन एक-दूसरे के प्रति प्यार और भरोसे के प्रतीक के रूप में 'राखी' बांधते हैं और खूबसूरत तोहफों के साथ एक-दूसरे को स्नेह देने के मौके का इंतजार करते हैं। वैसे तो तैयारियां जोरों पर है लेकिन यह वह समय भी होता है जब एक-दूसरे को दिए जाने वाले तोहफों के बारे में गहराई से सोचा जाए। इस रक्षा बंधन अपनों की सेहत और तंदुरुस्ती को ध्यान में रखते हुए, आइए सेहत भरा बादाम का एक बॉक्स देकर, उनकी बेहतर सेहत के बंधन को मजबूत करें!

बादाम अच्छी सेहत का उपहार है, क्योंकि इसकी हर मुट्ठी (30ग्राम) प्रोटीन (6 जी), फाइबर (4 जी), गुड फैट (9.5 ग्राम), विटामिन ई (7.7 मिलीग्राम), कैल्शियम (81 मिलीग्राम), मैग्नीशियम (81 मिलीग्राम)जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों और अन्य तत्वों का स्त्रोत है। कई शोध अध्ययनों ने भी बादाम को डायबिटीज प्रबंधन, वजन प्रबंधन, हृदय रोगों और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के लिये फायदेमंद साबित किया है। वनस्पति आधारित प्रोटीन का एक सक्रिय स्त्रोत है और लंबे समय तक पेट भरे होने का एहसास कराता है। स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक, बादाम को कई तरह से परोसा जा सकता है - सादा, भुना या फ्लेवर्ड, या रेसिपी में एक सामग्री के रूप में भी। इस नट में जितने सेहतमंद गुण हैं, वह बादाम को इस रक्षाबंधन भाई-बहनों को देने के लिये सबसे बेहतर उपहार बनाता है।

9 अगस्त से वांकानेर-मोरबी के बीच चलनेवाली 6 डेमू ट्रेनें परिवर्तित समय से चलेंगी

राजकोट (ईएमएस) पश्चिम रेलवे द्वारा वांकानेर-मोरबी के बीच चल रही 6 डेमू ट्रेनों के परिचालन के समय में 9 अगस्त से परिवर्तन किया गया है। राजकोट डिविजन के सीनियर डीसीएम अभिनव जेफ के अनुसार परिवर्तित समय से चलने वाली ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:-

1. ट्रेन संख्या 09561 वांकानेर-मोरबी डेमू वांकानेर से रात्रि में 22.10 बजे की जगह 10 मिनट पहले यानि 22.00 बजे रवाना होकर मोरबी 22.45 बजे पहुंचेगी।

2. ट्रेन संख्या 09562 मोरबी-वांकानेर डेमू मोरबी से सुबह 06.00 बजे की जगह 10 मिनट पहले यानि 05.50 बजे रवाना होकर वांकानेर 06.35 बजे पहुंचेगी।

3. ट्रेन संख्या 09441 वांकानेर-मोरबी डेमू वांकानेर से सुबह 07.10 बजे की जगह 10 मिनट पहले यानि 07.00 बजे रवाना होकर मोरबी 07.45 बजे पहुंचेगी।

4. ट्रेन संख्या 09442 मोरबी-वांकानेर डेमू मोरबी से सुबह 08.10 बजे की जगह 15 मिनट पहले यानि 07.55 बजे रवाना होकर वांकानेर 08.40 बजे पहुंचेगी।

5. ट्रेन संख्या 09439 वांकानेर-मोरबी डेमू वांकानेर से शाम 19.20 बजे की जगह 20 मिनट पहले यानि 19.00 बजे रवाना होकर मोरबी 19.45 बजे पहुंचेगी।

6. ट्रेन संख्या 09440 मोरबी-वांकानेर डेमू मोरबी से रात्रि में 20.20 बजे की जगह 20 मिनट पहले यानि 20.00 बजे रवाना होकर वांकानेर 20.45 बजे पहुंचेगी।

रेल यात्रियों से निवेदन है कि वे उपरोक्त फेरबदल को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा प्रारंभ करें और ट्रेनों के परिचालन संबन्धित नवीनतम अपडेटस कि जानकारी के लिए **www.enquiry.indianrail.gov.in** पर जाकर अवलोकन करें ताकि किसी प्रकार की असुविधा ना हो।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाश ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95